RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 175 , शुक्रवार, 07 अगस्त 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

स्तनपान सप्ताह पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, छात्राओं ने पोस्टर के माध्यम से ... 03

पूसा कृषि विश्वविद्यालय में 21वीं शोध परिषद की बैठक आयोजीत 04

अभिनय को लेकर बहुत लालची हूं, जैस्मिन भसीन ने अपने जुनून पर... 07

संक्षिप्त समाचार

संघ प्रमुख भागवत बोले- जेन-जी हमारी पीढ़ी से ज्यादा ईमानदार और देशभक्त

हमें उनकी बात समझनी चाहिए, उनसे बात नहीं हुई तभी तो आंदोलन हुआ

मुंबई (एजेंसी)। संघ प्रमुख मोहन भागवत का कहना है कि जेन-जी और जेन-अल्फा, पुरानी पीढ़ी से भी ज्यादा देशभक्त और ईमानदार है। उन्होंने कहा- हमें उनकी बात सुननी चाहिए। उनसे बातचीत में कमी थी, इसीलिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन हुआ। भागवत मुंबई के नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में किए जा रहे एक कार्यक्रम में बोल रहे हैं। इसका आयोजन इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस यानी IIMUN अपनी

15वीं वर्षगांठ पर किया है।नीट पेपर लीक के खिलाफ देशभर में प्रदर्शनों के बाद इसे आरएसएस का युवाओं के साथ सबसे अहम संवाद माना जा रहा है। मोहन भागवत ने दिल्ली में 20 जुलाई को छात्रों के प्रदर्शन के 4 दिन बाद कहा था कि आज की नई पीढ़ी बहुत सारे सवाल पूछती है। हमें आदेश देने की बजाय उनसे बातचीत करनी चाहिए। हम मनमानी करेंगे, शक्ति से सबके मालिक बनेंगे, ऐसा नहीं हो सकता।

आंदोलन सिस्टम में सुधार के लिए होना चाहिए-भागवत ने कहा कि हम यह नहीं कहेंगे कि जेन जेड को आंदोलन नहीं करना चाहिए। संविधान लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने और प्रदर्शन करने का अधिकार देता है। लेकिन यह भी देखना चाहिए कि आंदोलन कैसे किया जा रहा है।हमें यह भी समझना होगा कि अगर जेन जेड आवाज उठा रही है, तो उसके पीछे कोई न कोई वास्तविक समस्या जरूर होगी।

झारखंड में प्रदर्शनकारी छात्र सरकार से बातचीत को तैयार

शर्त रखी-मुख्यमंत्री मीडिया के सामने खुद आकर बात करें

रांची (एजेंसी)। झारखंड में जेपीएससी समेत अन्य भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी का विरोध कर रहे छात्रों को सरकार ने बातचीत का प्रस्ताव दिया है। छात्र इसके लिए तैयार हो गए। सरकार से बातचीत के लिए 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल जाएगा। इसमें 8 छात्र, 2 पत्रकार और 1 वकील होंगे। बातचीत के दौरान सिर्फ छात्र प्रतिनिधि ही अपनी बात रखेंगे। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में धरना दे रहे छात्र नेता रविंद्र पासवान ने कहा कि बुधवार को

सरकार का प्रस्ताव लेकर आए एसडीएम ने छात्र प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के नाम मांगे हैं। इसके बाद बैठक की तारीख और समय तय होगा। हालांकि, छात्रों ने एक शर्त भी रखी है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद बात करें। इस दौरान कम से कम दो मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहें। सीएम हेमंत सोरेन ने बातचीत के लिए चार मंत्रियों की कमेटी बनाई है। देवेंद्र नाथ महतो समेत 6 छात्र अनशन पर हैं। वे मामले में सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। बुधवार रात रांची और लखनऊ में छापेमारी कर अकाउंटेंट रक्षक सिंह को धर दबोचा है।

ब्रिटेन से वापस आएगी वाग्देवी की प्रतिमा!

- **भारत सरकार ने तेज किए राजनयिक प्रयास**

भोपाल (एजेंसी)। धार की ऐतिहासिक भोजशाला से एक सदी पहले ब्रिटेन ले जाई गई 11वीं शताब्दी की देवी वाग्देवी की सफेद संगमरमर की प्रतिमा को वापस लाने के लिए भारत ने राजनयिक प्रयास तेज कर दिए हैं।

केंद्र सरकार मध्य प्रदेश सरकार के अनुरोध और उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद लंदन संग्रहालय के साथ लगातार संपर्क में है, जिससे 2014 के बाद से 650 से अधिक प्राचीन कलाकृतियों को सफलतापूर्वक

स्वदेश लाने वाले भारत के रिकॉर्ड में एक और बड़ा अध्याय जुड़ने की उम्मीद जगी है।

धार की ऐतिहासिक भोजशाला से जुड़ी देवी वाग्देवी की प्रतिमा की वापसी, भोपाल में आयोजित ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह और संस्कृति मंत्रियों की बैठक का सबसे प्रमुख स्थानीय व सांस्कृतिक मुद्दा होगी।

क्या लौट पाएगी प्रतिमा

मध्य प्रदेश के लिए, व्यापक वैश्विक बहस का एक तात्कालिक और भावनात्मक रूप से आवेशित स्थानीय मुद्दा है। ऐसे में अब सवाल यह है कि क्या लंदन के ब्रिटिश संग्रहालय से देवी वाग्देवी के रूप में पूजी जाने वाली प्रतिमा अंततः धार लौट पाएगी। केंद्रीय संस्कृति सचिव विवेक अग्रवाल ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार से अनुरोध प्राप्त होने के बाद केंद्र ने राजनयिक और संस्थागत चैनलों के माध्यम से लगातार संपर्क बनाए रखा है। अग्रवाल ने कहा,केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय में सचिव का पदभार संभालने के तुरंत बाद, मध्य प्रदेश सरकार ने हमें पत्र लिखकर ब्रिटिश संग्रहालय में रखी देवी वाग्देवी की प्रतिमा को वापस लाने का अनुरोध किया। तब से हम राजनयिक चैनलों के साथ-साथ संग्रहालय स्तर पर भी लगातार काम कर रहे हैं।

गृह मंत्री अमित शाह गायब,पीएम आ नहीं रहे

- **छात्र बर्बरता मामले में खरगे का तीखा सवाल**
- **बोले- क्या अब मुझे रिजिजू से सीखना पड़ेगा**
- **सदन में बोलना मेरा अधिकार**

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रेस वार्ता कर केंद्र सरकार के साथ-साथ पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा 15 दिन से सदन चल रहा है और गृह मंत्री गायब हैं, प्रधानमंत्री आ नहीं रहे हैं। इसके दो ही मतलब हो सकते हैं। एक या तो वे संसद को नजरअंदाज कर रहे हैं ये समझ रहे हैं कि संसद है ही नहीं। या तो वो डर के सदन में आकर उत्तर नहीं देना चाह रहे हैं। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हम चाहते हैं कि केंद्रीय गृह मंत्री सदन में आएं और देश को बताएं कि छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया था। उन्होंने सरकार पर अहंकार दिखाने का आरोप लगाते हुए कहा कि या तो सरकार डर गई है या फिर वह संसद के वजूद को कोई महत्व नहीं दे रही है। खरगे ने बताया कि उन्होंने राज्यसभा में भी इस मुद्दे को उठाया और जवाब मांगा, लेकिन सरकार बयान देने के लिए तैयार नहीं हुई। विपक्षी सांसदों ने सभापति से मिलकर मांग की है कि प्रधानमंत्री इस पर माफी मांगें और गृह मंत्री सदन में आकर आधिकारिक बयान दें।

रिजिजू ने कहा- नए सांसदों को भी मौका दें

इस पर रिजिजू ने कहा- कांग्रेस अध्यक्ष विपक्ष के नए सदस्यों को बोलने का मौका ही नहीं दे रहे हैं। एक ही मुद्दे पर बार-बार बोलकर समय बर्बाद कर रहे हैं। पवन खेड़ा कांग्रेस के नए सांसद है। संसदीय कार्य मंत्री के तौर पर मैं सदन में उन्हें सम्मानित करना चाहता हूं। लेकिन दिक्कत यह है खेड़ा को अब तक वेलकम स्पीच देने तक का मौका नहीं मिला। दोपहर 2 बजे गृह मंत्री अमित शाह भी संसद पहुंचे थे। विपक्ष 20 जुलाई से लगातार सदन में उनकी गैर मौजूदगी को लेकर सवाल उठा रहा था। विपक्ष संसद मार्च के दौरान छात्र प्रदर्शनकारियों पर पुलिस एक्शन को लेकर शाह से जवाब मांगा है।

पत्रकार तेजपाल को रेप केस में 10 साल की सजा

- **बॉम्बे हाईकोर्ट का आदेश, दो हफ्ते में कर दें सरेंडर**
- **2013 में साथी पत्रकार ने रेप का आरोप लगाया था**

पणजी (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने गुरुवार को तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल को रेप केस में दोषी करार दिया। उन्हें 10 साल जेल की सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि वे 2 हफ्ते में सरेंडर करें। इससे पहले मई 2021 में गोवा की ट्रायल कोर्ट ने सबूतों के अभाव में तेजपाल को बरी कर दिया था। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा था। मामला नवंबर 2013 का है। तहलका की महिला पत्रकार ने आरोप लगाया था कि गोवा में आयोजित थिंक फेस्ट के दौरान 7 और 8 नवंबर की रात होटल की लिफ्ट में तरुण तेजपाल ने दो बार उनका यौन उत्पीड़न किया। **तेजपाल ने कहा- सुप्रीम कोर्ट जाएंगे-** हाईकोर्ट के फैसले पर तेजपाल ने कहा, 'वे सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। कुछ लोग तहलका और राजनीतिक बदले की भावना से 13 सालों से मेरे पीछे पड़े हैं। हमने 7.5 साल ट्रायल कोर्ट में केस लड़ा और बरी हुए थे।'

यूपी में माफिया अतीक अहमद के बेटे की मौत

- **कार डिवाइडर से टकराई,आखिरी शब्द-मुझे बचा लो**

प्रयागराज (एजेंसी)। माफिया अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे अबान (21) की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह गुरुवार सुबह प्रयागराज से झांसी जेल में बंद बड़े भाई अली से मिलने जा रहा था। क्रेटा कार में अबान के साथ उसके 4 दोस्त थे। झांसी से 70 किमी पहले सुबह 10.30 बजे पूंछ थाना इलाके में तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार 7 फीट हवा में उछल गई। 40 फीट तक कार के टुकड़े हाईवे पर बिखर गए। अगला हिस्सा चकनाचूर हो गया। अबान समेत सभी 5 लोग अंदर फंस गए। चीख-पुकार मच गई। पुलिस और

राहगीरों ने जैसे-तैसे दरवाजा तोड़कर सभी को बाहर निकाला। आगे की सीट पर बैठे अबान और उसके दोस्त सोनू की मौके पर मौत हो गई। जबकि बाकी 3 घायल हैं।

उत्तराखंड में तबाही, असम में 'जल' जला

- **ऋषिकेश में वॉर्निंग लेवल पार, घाटों पर जाना रोका**
- **बद्रीनाथ हाईवे हुआ बंद, केदारनाथ में गाड़ियां फंसी**

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर और पूर्वोत्तर भारत में मानसूनी बारिश आफत ला रही है। उत्तराखंड के ऋषिकेश में गंगा नदी वॉर्निंग लेवल के ऊपर बह रही है। लोगों को घाटों पर न जाने की चेतावनी दी गई है। चमोली में हेलंग के पास पहाड़ी से मलबा और पत्थर गिरने से बद्रीनाथ नेशनल हाईवे बंद है। वहीं, देहरादून, चमोली, बागेश्वर, रुद्रप्रयाग और पौड़ी गढ़वाल में आंगनवाड़ी केंद्रों के साथ 12वीं तक के सभी स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। रुद्रप्रयाग में तिलवाड़ा के पास पहाड़ से मलबा और पानी केदारनाथ हाईवे पर आ गया। इससे कई गाड़ियां कीचड़ और चट्टानों के मलबे में दब गईं।

इधर, यूपी के फर्रुखाबाद के 33 गांवों और 40 सरकारी स्कूलों में गंगा का पानी घुस गया है। बलिया में एक हफ्ते में 27 घर सरयू नदी में समा चुके हैं। प्रतापगढ़ में लगातार बारिश के कारण 100 साल पुराना मकान ढह गया, जिसमें एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई।

असम में बाढ़ की स्थिति बेहद गंभीर – उधर, असम में बाढ़ की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। पिछले 24 घंटे में 6 और लोगों की मौत हो गई, जिससे इस मानसून सीजन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 95 हो गई है। धानसिरी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिसके चलते 14 जिलों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। राज्य के 1.6 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

दिल्ली में गुरुवार सुबह कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई। बारिश के बाद लोगों को

उमस से राहत मिली। रोहतक रोड सहित कई सड़कों पर पानी भर गया। मौसम विभाग ने आज दिल्ली के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के मुताबिक दिनभर गरज-चमक के साथ मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली का न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.3 डिग्री कम है। वहीं, अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। उत्तराखंड के चमोली जिले में लगातार बारिश के चलते हेलंग के पास बद्रीनाथ नेशनल हाईवे पर पहाड़ी से मलबा और पत्थर गिरने से सड़क बंद हो गई। ये रास्ता सीधे बद्रीनाथ जाता है। हेलंग के पास 200 यात्री रोके गए हैं। प्रशासन ने लोगों से यात्रा न करने की अपील की है। सड़क को जल्द बहाल करने के लिए टीमें लगातार काम कर रही हैं। छत्तीसगढ़ में अगले तीन दिनों तक अच्छी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने उत्तर छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

हालांकि, 8 अगस्त से प्रदेश में बारिश की गतिविधियां और उसकी तीव्रता कम होने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल प्रदेश में मानसून सामान्य स्थिति में बना हुआ है।

1 जून से अब तक राज्य में सामान्य से 7 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है, जिसे विभाग ने सामान्य श्रेणी में रखा है। पंजाब में जमकर मानसून बारिश हो रही है। जालंधर में गुरुवार सुबह तेज बारिश हुई। मौसम विभाग ने पठानकोट, होशियारपुर, शहीद भगत सिंह नगर (नवांशहर), फतेहगढ़ साहिब, रूपनगर, पटियाला और मोहाली समेत 7 जिलों में कुछ जगहों पर भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं, चंडीगढ़ में दिनभर आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान है।

बोर्ड के गठन के बाद पहली बार सीएम योगी ने प्रतिनिधियों से किया संवाद

आजादी के असली सेनानी हैं घुमंतू समाज के लोग:योगी

लखनऊ (एजेंसी)। कभी अंग्रेजों की नजर में क्रिमिनल ट्राइब घोषित कर दमन का शिकार बनाए गए विमुक्त एवं घुमंतू समुदायों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम का असली नायक बताया है। घुमंतू विकास बोर्ड के गठन पर आयोजित आभार कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर ने इन समुदायों को कानूनी सम्मान दिलाया, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इनके सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पुनर्सम्मान के लिए ठोस पहल हुई है। सरकार का उद्देश्य इन समुदायों को केवल योजनाओं का लाभ देना नहीं, बल्कि उनके गौरवशाली इतिहास को भी उचित पहचान

दिलाना है। मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित आभार कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध-घुमंतू समाज के प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि अंग्रेजों ने जिन घुमंतू जातियों को वर्ष 1871 के क्रिमिनल ट्राइब एक्ट के तहत अपराधी घोषित किया था, वे वास्तव में भारत की आजादी के नायक थे।

- **सरकारी योजनाओं के दायरे में लाने का किया काम-**योगी ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री ने पहली बार इन समुदायों के लिए आयोग का गठन किया और अब प्रदेश सरकार ने घुमंतू विकास बोर्ड के गठन का निर्णय लिया है। सरकार ने वनटांगिया गांवों को पहली बार राजस्व गांव का दर्जा दिलाया, मुसहर समाज को बुनियादी सुविधाओं से जोड़ा और थारू, बुक्सा, गोंड, चेरो, कोल, सहरिया सहित अनेक उपेक्षित समुदायों को सरकारी योजनाओं के दायरे में लाने का कार्य किया।

भगवंत मान के खिलाफ चुनाव लड़ना चाहते हैं राजा वड़िंग

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि यदि कांग्रेस उन्हें चुनाव लड़ाना चाहती है तो उन्हें मुख्यमंत्री भगवंत मान के खिलाफ मैदान में उतारा जाए। यहीं नहीं उन्हें यह तक कह दिया कि यदि उन्हें भगवंत मान के खिलाफ मैदान नहीं उतारा जाता तो उन्हें टिकट ही न दिया जाए। वडिंग ने ये बयान पंजाब कांग्रेस प्रभारी के सामने दिया। पंजाब कांग्रेस के हर बूथ कांग्रेस मजबूत अभियान के दौरान भूपेश बघेल की मौजूदगी में मंच से बोलते हुए वड़िंग ने कहा कि अंतिम फैसला कांग्रेस हाईकमान का होगा। राजा वडिंग ने आगे कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तय करेंगे टिकट।

नई चीनी मिल लगाएं और 70 करोड़ की सब्सिडी पाएं

1 रुपए में जमीन भी, बिहार सरकार का पोर्टल हुआ लॉन्च

पटना (एजेंसी)। बिहार में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने और औद्योगिक निवेश को रफ्तार देने के लिए राज्य सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। राज्य के गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार ने आधिकारिक रूप से शुगरकेन इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पोर्टल लॉन्च कर दिया। बिहार गन्ना उद्योग निवेश प्रोत्साहन नीति-2026 के तहत तैयार किया गया यह डिजिटल पोर्टल निवेशकों के लिए एक पारदर्शी सिंगल विंडो प्लेटफॉर्म के रूप में काम करेगा। मंत्री संजय कुमार ने बताया कि इस नई नीति के तहत बिहार में निवेश करने वाले निवेशकों और उद्योगपतियों को वित्तीय छूट और सुविधाएं दी जा रही हैं। मंत्री ने बताया कि जो भी बिहार में चीनी मिल लगाएगा, उसे कुल खर्च में से 70 करोड़ की सब्सिडी मिलेगी। साथ ही स्टेट जीएसटी में भी 5 साल तक छूट मिलेगी।

बिहार सरकार का 25 नई मिलों का लक्ष्य- वर्तमान में बिहार में कुल 10 चालू चीनी मिलें हैं। हालांकि सम्राट चौधरी सरकार का लक्ष्य 25 और नई चीनी मिलें खोलने का है। मंत्री संजय कुमार ने बताया कि सरकार लंबे समय से बंद पड़ी चीनी मिलों जैसे सकरी, रैयाम को दोबारा शुरू करने की योजना पर काम जारी है।

संक्षिप्त समाचार

महुआ पुलिस ने 3520 लीटर देसी शराब पकड़ी, पिकअप वैन से बरामद, ड्राइवर भागा

हाजीपुर। वैशाली जिले के महुआ थाना क्षेत्र में पुलिस ने भारी मात्रा में देशी शराब जब्त की है। पुलिस ने एक पिकअप वैन से 3520 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद की, जो 44 बोरों में रखी थी। यह कार्रवाई पुलिस से बचने के दौरान चालक के वाहन छोड़कर फरार होने के बाद हुई। महुआ पुलिस को पटना मद्य निषेध विभाग से सूचना मिली थी कि बिदुपुर से महुआ की ओर एक पिकअप वैन में देशी शराब की बड़ी खेप ले जाई जा रही है। इस सूचना के आधार पर महुआ थाना पुलिस ने मधोल गांव के पास जाल बिछाया। पुलिस ने सामने से आ रही पिकअप वैन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक गाड़ी लेकर भागने लगा। महुआ थाना की टीम ने उसका पीछा किया। पुलिस से बचने के लिए पिकअप चालक गाड़ी को गांव की ओर मोड़ दिया, लेकिन कुछ दूर आगे जाकर गाड़ी का एक पहिया सड़क किनारे कीचड़ में फंस गया। इसके बाद चालक पिकअप छोड़कर फरार हो गया। पीछे से पहुंची पुलिस ने गाड़ी को कीचड़ से निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद पुलिस ने पिकअप पर लदी शराब को उतारा। इसमें से 44 बोरे देशी चुलाई शराब बरामद हुई, जिसकी कुल मात्रा 3520 लीटर है। पुलिस ने गाड़ी और शराब को जब्त कर लिया है। पुलिस अब गाड़ी मालिक और चालक की पहचान करने में जुटी है। जांच में पता चला है कि गाड़ी का नंबर भी फर्जी है, जिससे शराब कारोबारी की पहचान करने में पुलिस को परेशानी हो रही है।

डीएम ने बाढ़ संभावित गनियारी क्षेत्र का किया निरीक्षण, अधिकारियों को समय पर तैयारी पूरी करने के दिए निर्देश

हाजीपुर। वैशाली की जिला पदाधिकारी (डीएम) वर्षा सिंह ने बुधवार को सहदेई बुजुर्ग प्रखंड की बाढ़ संभावित नयागांव पश्चिमी पंचायत के गनियारी क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हर वर्ष बाढ़ से प्रभावित होने वाले इलाकों की स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को बाढ़ पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। डीएम ने महनार के अनुमंडल पदाधिकारी और अंचलाधिकारी को संवेदनशील स्थलों की लगातार निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने राहत एवं बचाव कार्य की पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने तथा संभावित आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई करने को कहा। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि बाढ़ के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आम लोगों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन आपदा प्रबंधन को लेकर पूरी तरह सतर्क है। सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने और जनहित से जुड़े कार्यों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि बाढ़ जैसी संभावित आपदा की स्थिति में लोगों को तत्काल राहत और सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

2014 में घूस लेते रंगेहाथ पकड़े गए अधिकारी को सजा, आरडी कमीशन चालू कराने के नाम पर मांगे थे 20 हजार रुपए

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर स्थित विशेष निगरानी कोर्ट ने 12 साल पुराने भ्रष्टाचार के एक मामले में सीतामढ़ी के तत्कालीन जिला भविष्य निधि पदाधिकारी प्रदीप कुमार को दोषी करार दिया है। विशेष न्यायाधीश दशरथ मिश्र की अदालत ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत उन्हें पांच वर्ष के सश्रम कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई है। यह मामला वर्ष 2014 में 20 हजार रुपए रिश्वत लेने से जुड़ा था, जिसमें निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने आरोपी को रंगेहाथ गिरफ्तार किया था। अभियोजन के अनुसार, सीतामढ़ी जिले के बेला थाना क्षेत्र के मनपौर गांव निवासी सुनील कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि तत्कालीन जिला भविष्य निधि पदाधिकारी प्रदीप कुमार डाकघर में आरडी (रिकरिंग डिपॉजिट) खाता खुलवाने और उसमें जमा राशि पर मिलने वाले कमीशन को चालू कराने के एवज में 20 हजार रुपए रिश्वत की मांग कर रहे हैं। शिकायत के सत्यापन के बाद निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने 9 दिसंबर 2014 को जाल बिछाया और प्रदीप कुमार को 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद निगरानी थाना कांड संख्या-07/2014 (विशेष वाद संख्या-77/2014) दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई। मामले की जांच तत्कालीन पुलिस निरीक्षक मुरारी प्रसाद ने की और समय पर आरोप पत्र अदालत में दाखिल किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से कुल 12 गवाहों की गवाही कराई गई। बिहार सरकार की ओर से विशेष लोक अभियोजक कृष्ण देव साह ने प्रभावी पैरवी करते हुए आरोपी के खिलाफ साक्ष्य प्रस्तुत किए, जिसके आधार पर अदालत ने प्रदीप कुमार को दोषी करार दिया। विशेष न्यायालय ने प्रदीप कुमार को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा-7 के तहत तीन वर्ष के सश्रम कारावास और 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं धारा-13(2) सहपठित धारा-13(1)(डी) के तहत पांच वर्ष के सश्रम कारावास तथा 10 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। अदालत ने आदेश दिया है कि अगर आरोपी जुर्माने की राशि जमा नहीं करता है तो उसे एक माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी।

मुजफ्फरपुर पूर्व मेयर समीर हत्याकांड- 6 आरोपी कोर्ट से बरी, 2 आरोपियों की हत्या भी हो चुकी है

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर शहर के पूर्व मेयर समीर कुमार और उनके ड्राइवर रोहित कुमार हत्याकांड में गुरुवार को कोर्ट ने 6 दोषियों को बरी कर दिया। इस मामले में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत गुरुवार को सुनवाई हुई, लेकिन सबूत के अभाव में अदालत ने सभी दोषियों को बरी करने का आदेश दिया। बरी होने वालों में सरैया निवासी ट्रांसपोर्टर मृत्युंजय कुमार उर्फ पिंटू सिंह, बेगूसराय के ओंकार सिंह उर्फ रंजय, आमगोला निवासी सुशील छापड़िया, गोबरसही निवासी नवीन कुमार, पूसा रोड निवासी श्यामनंदन मिश्र और सकरा निवासी सुजीत कुमार शामिल हैं। 7 जुलाई को बहस पूरी होने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिस पर आज फैसला आया है। करीब 8 साल पुराने इस बहुचर्चित दोहरे हत्याकांड में गुरुवार को पहले सेशन ट्रायल का फैसला आ गया है। वहीं, दूसरे ट्रायल में गवाहों की गवाही का सिलसिला जारी रहेगा। पूरे मामले पर शहर की निगाहें अदालत के फैसले और आगे की न्यायिक प्रक्रिया पर टिकी हुई हैं। मृतक समीर के वकील अजय कुमार ने बताया, "मामले में पुलिस ने सही तरीके से जांच नहीं की। समीर कुमार की कार से जो मोबाइल मिला था, उसकी भी ठीक से जांच नहीं की गई। अगर आरोपियों से सही तरीके से पूछताछ की जाती, तो सच्चाई सामने आ सकती थी। समीर का मोबाइल फोन कहां है, इस बारे में भी पुलिस ने कुछ नहीं बताया। जिन लोगों ने इस हत्याकांड को देखा था, उन्होंने भी कोर्ट में गवाही नहीं दी। इसमें कुछ बड़े अपराधियों के शामिल होने की बात कही जा रही थी, इसलिए मौके पर मौजूद लोगों ने डर के कारण अपनी बात सामने नहीं रखी। समीर के परिवार के लोगों ने भी घटना से जुड़ी पूरी जानकारी अदालत में नहीं दी। मामले की जांच कर रहे सभी पुलिसकर्मियों का बाद में तबादला कर दिया गया। पुलिस की लापरवाही के कारण ही आज सभी आरोपियों को बरी कर दिया गया। वहीं कोर्ट में चल रहे दूसरे ट्रायल में बुधवार को समीर कुमार के बेटे तुषार भारद्वाज ने अदालत में अपना बयान दर्ज कराया था। वह इस मामले के पांचवें गवाह बने। इस ट्रायल में कटरा के धनौर निवासी शंभू सिंह, सारण निवासी प्रद्युम्न शर्मा उर्फ मंटू शर्मा और कल्याणी निवासी राजू तुरहा आरोपी हैं। इससे पहले पूर्व मेयर की पत्नी वर्षा रानी, उनके भाई सुमित कुमार, चालक रोहित कुमार के पिता राजेश मिश्र और नगर थाने के तत्कालीन थानाध्यक्ष मो. शुजाउद्दीन अदालत में गवाही दे चुके हैं। कोर्ट में चल रहे दूसरे ट्रायल के दौरान अब तक पांच गवाहों की गवाही पूरी हो चुकी है। सबसे पहले पूर्व मेयर की पत्नी वर्षा रानी ने घटना और उससे जुड़े तथ्यों पर बयान दिया। इसके बाद भाई सुमित कुमार, ड्राइवर रोहित के पिता राजेश मिश्र और तत्कालीन नगर थानाध्यक्ष मो. शुजाउद्दीन ने अदालत के समक्ष अपनी गवाही दर्ज कराई थी।

आईजीआईएमएस में स्वास्थ्य मंत्री को भीड़ ने घेरा, सुरक्षाकर्मियों ने निकाला

रोते-रोते परिजन बोले- लापरवाही से मां बेड पर मर गई, दलाली होती है, दवा नहीं मिलती है

एजेंसी, पटना

बिहार के स्थास्थ्य मंत्री निशांत कुमार गुरुवार को पटना स्थित इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) पहुंचे। यहां भीड़ ने स्वास्थ्य मंत्री को घेर लिया। लोग खराब व्यवस्था को लेकर सवाल उठाते नजर आए। एक मरीज ने कहा, 'सर, यहां व्यवस्था बहुत खराब है। पेशेंट को लगता है कि लाइन में लग-लगकर ही वो मर जाएगा, इलाज तो बाद में होगा।' दूसरे मरीज ने कहा, ' यहां दलाली होती है। आयुष्मान कार्ड से इलाज कहकर बाहर से दवाई मंगा रहे हैं। मेडिकल काउंटर वाले कह रहे कि दवाई है, लेकिन हमें बाहर से दवाई लेने के लिए कहा जा रहा है।' स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार संस्थान में 5 नई सुविधाओं का उद्घाटन करने पहुंचे। इसी दौरान लोगों ने उन्हें घेर लिया। भीड़ के बीच से सुरक्षाबलों ने बड़ी मुश्किल से निशांत कुमार को बाहर निकाला।

बेड पर ही मां मर गई, सर....: एक शख्स रोते-रोते स्वास्थ्य मंत्री से बोला, 'मेरी मां की इसी अस्पताल के बेड पर मौत हो गई है। उसका बीपी लो था। इन लोगों ने बीपी चेक नहीं किया। लो बीपी में ही पाइप लगा दिया। वो मेरे सामने तड़पकर मर गई। मैं कुछ नहीं कर पाया। आप सिर्फ बाहर मत घूमिए सर, अंदर भी जाइए। एक-एक चीज को ठीक से देखिएगा। यहां बहुत गड़बड़ी है।'

निशांत कुमार के सामने फूट-फूट कर रोने लगी महिला: IGIMS में एक महिला स्वास्थ्य मंत्री के सामने फूट-फूटकर रोने लगी। उसने कहा, 'किडनी खराब हो गई है। जल्दी से इलाज चाहिए, ऑपरेशन नहीं हो रहा है सर... मेरा देख लीजिए सर... प्लीज सर... आपलोग चले जाते हैं तो फिर कुछ नहीं होता है। ' जिसके बाद निशांत कुमार ने डॉक्टर से उनके मरीज को देखने को कहा। एक मरीज ने कहा, 'यहां के हालात बहुत खराब हैं। रात में मरीज को खाना तक नहीं मिलता है। सर, कुछ कीजिए... ' स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल की OPD में बैठे मरीजों से भी बात की। उन्होंने मरीजों से उनकी बीमारी और अस्पताल के ट्रीटमेंट के बारे में पूछा।

30 गार्ड्स ने स्वास्थ्य मंत्री को घेर रखा था: IGIMS में निशांत कुमार को उनके 10 बॉडीगार्ड्स के साथ अस्पताल के 20 प्राइवेट गार्ड्स ने घेर रखा था। निरीक्षण के दौरान 4 से 5 बार ऐसी स्थिति बनी जब गार्ड्स को घेरा बनाकर स्वास्थ्य मंत्री को बाहर निकालना पड़ा। कई जगहों पर लोगों अपनी समस्या बताने के लिए निशांत की ओर बढ़े, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें उनसे नहीं मिलने दिया।

दौरे के दौरान पत्रकार ने कहा, निशांत जी आप, अगले साल मार्च में शादी करने वाले हैं। इस सवाल को सुनते ही निशांत मुस्कुराते हुए आगे बढ़ गए।

पटना में तेज रफ्तार ट्रक और ऑटो की टक्कर, मां-बेटी की मौके पर मौत

एजेंसी, पटना

- तीन घायलों का इलाज जारी, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

पटना के पंचरुखिया थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक और ऑटो की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस भीषण सड़क हादसे में मां-बेटी की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू करते हुए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है।

मौके पर ही मां-बेटी की मौत: जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह एक ऑटो यात्रियों को लेकर पटना की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में ऑटो सवार मां और बेटी ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, तीन अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

पुलिस ने शुरू की जांच: घटना की सूचना मिलते ही पंचरुखिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दुर्घटनाग्रस्त ट्रक और ऑटो को सड़क से हटाकर यातायात सामान्य कराया गया। पटना सदर-2 के एसडीपीओ ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि दुर्घटना में दो लोगों की मौत हुई है और तीन लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। पुलिस दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

दीघा दुकानदार हत्याकांड में लव ऐंगल आया सामने

एजेंसी, पटना

पटना के दीघा थाना क्षेत्र के 95 नंबर गेट के पास 31 जुलाई की रात सुरेंद्र साव (45) नामक व्यक्ति की हत्या हुई। इसमें छह दिन बाद भी पुलिस मुख्य आरोपियों तक नहीं पहुंच सकी है। मामले में नामजद आरोपी मृतक के छोटे भाई निरंजन साव, उसकी पत्नी कंचन देवी और बाहरी व्यक्ति रमेश सिंह अब भी फरार हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

31 जुलाई की रात की गई हत्या: घटना 31 जुलाई की रात करीब 8 बजे की है। उस समय सुरेंद्र साव अपनी दुकान पर मौजूद थे, तभी अज्ञात बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी। गंभीर रूप से घायल सुरेंद्र को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मृतक की पत्नी सविता देवी ने पुलिस को दिए बयान में आरोप लगाया है कि पैतृक जमीन को लेकर लंबे समय से परिवार में विवाद चल रहा था। उनका कहना है कि इसी विवाद के चलते देवर निरंजन साव, देवरानी कंचन देवी और रमेश सिंह ने मिलकर उनके पति की हत्या कराई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, रमेश सिंह परिवार का सदस्य नहीं था, लेकिन दोनों भाइयों के बीच होने वाले विवादों में अक्सर मध्यस्थ की भूमिका निभाता था। जांच में यह भी सामने आया है कि इसी दौरान उसकी आरोपी पक्ष की महिला से नजदीकियां बढ़ गई थीं। इसके बाद रमेश सिंह कथित रूप से आरोपी पक्ष का समर्थन करने लगा और संपत्ति विवाद में सुरेंद्र साव पर जमीन लिखने का दबाव भी बनाता था।

पटना यूनिवर्सिटी में पेपर लीक के खिलाफ आईसा का प्रदर्शन, एग्जाम कंट्रोलर के इस्तीफे की मांग

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी में परीक्षा की अव्यवस्था के खिलाफ आज ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (AISA) प्रदर्शन कर रही है। एग्जाम कंट्रोलर के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रतिरोध दिवस आयोजित किया गया है। प्रदर्शन के कारण यूनिवर्सिटी का गेट बंद कर दिया गया है। इससे नाराज छात्रों ने गेट पर ही चढ़कर हाथ में झंडा लेकर नारेबाजी की। छात्रों ने पीयू के गेट के बाहर एग्जाम कंट्रोलर का पुतला दहन भी किया। इस दौरान छात्र ने 'एग्जाम कंट्रोलर इस्तीफा दो...एग्जाम कंट्रोलर वीक, पेपर लीक' जैसे नारे लगाए।

छात्रों ने एग्जाम कंट्रोलर का मांगा इस्तीफा: छात्रों ने कहा कि PU की परीक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। LLB और LLM प्रवेश परीक्षा में गंभीर अनियमितता हुई है। सेमेस्टर-1 एवं सेमेस्टर-3 के परिणामों में हो रही लगातार देरी और सेमेस्टर-2 की लंबित परीक्षाओं के कारण हजारों छात्र-छात्राओं का शैक्षणिक भविष्य संकट में है।

एग्जाम कंट्रोलर अपना पद छोड़ें- आदर्श: एक छात्र आदर्श ने कहा, 'पटना यूनिवर्सिटी अपने कैलेंडर के हिसाब से नहीं चल रहा है। एंट्रेंस एग्जाम में पेपर लीक हो जा रहा है। आज सेमेस्टर-1 और सेमेस्टर-3 के परीक्षा का रिजल्ट नहीं आया है और बिना रिजल्ट के एग्जाम ले रहे हैं। 6 महीने के गैप में रिजल्ट नहीं आया है। पटना यूनिवर्सिटी को BJP-RSS गर्त में डालने का काम कर रही है।'

पटना यूनिवर्सिटी में भी पेपर लीक हो रहा- आशीष: छात्र आशीष ने आगे कहा, 'देश में जैसे पेपर लीक हो रहा है, वैसे ही पटना यूनिवर्सिटी में भी पेपर लीक हो रहा है। 1 अगस्त को LLB और LLM का एग्जाम हुआ था। सेमेस्टर एग्जाम हो गए मगर अभी तक रिजल्ट नहीं आया है। हमारी मांग है कि एग्जाम कंट्रोलर अपना पद छोड़े और उनके जगह कोई और आए।' आशीष ने कहा, 'एग्जाम कंट्रोलर बहुत ही गैर-जिम्मेदाराना हरकत दिखाते हैं। कब एग्जाम लेना है, कब रिजल्ट देना है, पेपर लीक रोकना है, इस पर कोई अकाउंटिबिलिटी और रिस्पांसिबिलिटी नहीं लेते हैं।

- एलएलबी प्रवेश परीक्षा में प्रश्नपत्र हुआ था वायरल

शनिवार को पेपर लीक होने की आयी थी खबर: शनिवार को पटना विश्वविद्यालय की तीन वर्षीय LLB प्रवेश परीक्षा के दौरान शनिवार को प्रश्नपत्र लीक होने की सूचना से हड़कंप मच गया था। परीक्षा सुबह 10:30 बजे शुरू हुई थी। करीब 12 बजे सोशल मीडिया पर प्रश्नपत्र वायरल होने की खबर फैली थी। जानकारी के मुताबिक, पटना कॉलेज परीक्षा केंद्र पर एक छात्र मोबाइल फोन लेकर परीक्षा कक्ष में पहुंच गया और उसने प्रश्नपत्र की तस्वीर खींचकर बाहर भेज दी थी। हालांकि, सभी परीक्षा केंद्रों पर पहले से जैमर लगाए गए थे। इस वजह से वायरल प्रश्न पत्र का कोई लाभ नहीं मिल सका और बाहर से उत्तर परीक्षा कक्ष तक नहीं पहुंच पाए।

बंटी यादव हत्याकांड: दो दिन की रिमांड पर आरोपी सोनू

एजेंसी, पटना

पटना के चर्चित बंटी यादव हत्याकांड में सरेंडर करने वाले आरोपी सोनू को पुलिस 2 दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। कोतवाली थाना की पुलिस पूरे घटनाक्रम में उसकी भूमिका की पड़ताल कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान सोनू लगातार वारदात में अपनी संलिप्तता से इनकार कर रहा है। उसका कहना है कि वह घटनास्थल पर मौजूद था, लेकिन हत्या में उसकी कोई भूमिका नहीं थी।

पुलिस अब उसके बयान का तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सबूतों से मिलान कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ पूरी होने के बाद ही मामले में उसकी वास्तविक भूमिका स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस के मुताबिक, इस हत्याकांड की मुख्य साजिशकर्ता मोनी किन्नर समेत सूरज और शंकर अभी भी फरार हैं। पुलिस सूत्रों का दावा है कि तकनीकी साक्ष्यों से संकेत मिले हैं कि तीनों

- पूछताछ में बोला- मैं सिर्फ मौके पर मौजूद था, मास्टरमाइंड सहित तीन आरोप नेपाल भागे

देश छोड़कर नेपाल में छिपे हुए हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और संभावित ठिकानों पर नजर रखी जा रही है।

बताया जा रहा है कि करीब एक सप्ताह पहले, जब पुलिस छात्र आंदोलन की ड्यूटी में व्यस्त थी, उसी दौरान सोनू ने चुपचाप अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने उससे पूछताछ के लिए रिमांड की अर्जी दाखिल की, जिसे अदालत ने मंजूरी दे दी। फिलहाल, पुलिस सोनू से लगातार पूछताछ कर रही है। जांच एजेंसियों का मानना है कि पूछताछ से फरार आरोपियों और पूरे षड्यंत्र से जुड़े अहम सुराग मिल सकते हैं।

पटना के बंटी यादव मर्डर केस का मुख्य आरोपी रवीश उर्फ बसिया को पटना में पुलिस मुठभेड़ में घायल

हो गया। बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र में एलएनटी से पूरब बांस घाट जाने वाले कच्चे रास्ते पर सुबह करीब 3 बजे ये मुठभेड़ हुई। आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग की। गोली पुलिस की कार की बोनट पर लगी। जिसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें गोली रवीश के दाहिने पैर में लगी। उसे इलाज के लिए PMCH में भर्ती कराया गया है। कुल 2 राउंड फायरिंग हुई है। एक राउंड पुलिस ने की। एक राउंड रवीश ने की। मौके से एक खोखा, एक कारतूस, एक देसी कट्टा और मोबाइल फोन मिला है। पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि रवीश नेपाल भागने की तैयारी में था। उसके और मारे गए बंटी के बीच वर्चस्व की लड़ाई थी।

हत्या के बाद से था फरार: पुलिस के मुताबिक, बंटी यादव की हत्या के बाद से रवीश लगातार फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए कई दिनों से छापेमारी की जा रही थी। गुरुवार को उसके पटना आने की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने जाल बिछाया, जिसके दौरान मुठभेड़ हुई। 2 राउंड गोली चली है। रवीश पर पटना के कई थानों में लूट-रंगदारी और हत्या के प्रयास जैसे संगीन मामले दर्ज हैं।

पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने कहा, 'बंटी और रवीश के बीच में आपसी वर्चस्व की लड़ाई चल रही थी। शराब के कारोबार में हाल मैं ही रवीश जेल से छूट कर आया था। उसे लग रहा था कि बंटी के चलते उसे जेल जाना पड़ा है। इसे लेकर दोनों में विवाद चल रहा था। इन दोनों के बीच बातचीत के भी एविडेंस मिले हैं। फिलहाल इस मामले में चार आरोपी फरार हैं। जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है। रवीश के खिलाफ अलग-अलग थानों में पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं।'

तेजस्वी बोले- सीवान में किसके आदेश पर चली एके-47

एजेंसी, पटना

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने गुरुवार को पटना में बंटी यादव की हत्या, रोहतास में कार्यपालक पदाधिकारी (EO) विमल कुमार की हत्या और सीवान में छात्र आंदोलन के दौरान चली AK-47 को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने EO हत्याकांड को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर निशाना साधते हुए कहा, "मुख्यमंत्री पर 7 हत्याओं के मामले दर्ज हैं। उनके विधायक का नाम EO हत्याकांड में सामने आ रहा है। यह बताइए कि एनकाउंटर हुआ या नहीं हुआ।"

पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तेजस्वी यादव ने बंटी यादव के परिवार को 5 लाख रुपए की सहायता राशि का चेक सौंपा। उन्होंने कहा कि बंटी के दोनों बच्चों की पढ़ाई का खर्च राजद उठाएगा। बता दें पटना जंक्शन से अपहरण के बाद बंटी यादव का शव 5 दिन बाद अथमलगोला से बरामद हुआ था। परिजनों ने आरोप लगाया था कि सेक्स रैकेट का विरोध करने के कारण उनकी हत्या की गई।

तेजस्वी यादव ने कहा कि छात्र आंदोलन के दौरान सीवान में AK-47 से फायरिंग की गई। इस फायरिंग में 3 स्टूडेंट्स गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका आज भी इलाज चल रहा है। Ak 47 मामले को लेकर शुक्रवार को हम अपने नेताओं के साथ डीजीपी से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि सीवान में किसके आदेश पर गोलियां चलाई गई। पुलिसकर्मी हवाई फायरिंग नहीं की, बल्कि निशाना लगाकर चलाई गई। जब तक सीवान DM-SP पर कार्रवाई नहीं होती है, तब तक हम चुप नहीं बैठेंगे।

7 जिलों में बारिश, 35 में अलर्ट, 9 जिलों में हेवी रेन की चेतावनी

एजेंसी, पटना

बिहार में मानसून सक्रिय है। पटना, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय, खगड़िया और समस्तीपुर में देर रात से ही रुक-रुककर बारिश हो रही है। दोपहर बाद कटिहार और जहानाबाद में मौसम का मिजाज बदला और तेज बारिश हुई। बांका में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक किसान की मौत हो गई है। मृतक की पहचान बिंदेश्वरी प्रसाद सिंह रूप में की गई है। वहीं, नेपाल में हो रही बारिश के बाद कोसी नदी का जलस्तर बढ़ गया है। गुरुवार को कोसी बराज से 2.44 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इससे नीचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।

मौसम विभाग ने आज पटना समेत 9 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा 26 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट

जारी किया गया है। इन जिलों में 40Kmph की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। आकाशीय बिजली गिरने को लेकर भी चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, बिहार में 8 अगस्त तक बारिश का दौरा जारी रहेगा। कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। पटना समेत कुछ जिलों में बादल छाए रह सकते हैं। इधर, जमुई के खैरा थाना क्षेत्र के सिमरा गांव में बिजली की चपेट में आने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। वहीं मुंगेर में बिजली से 45 साल की एक महिला की मौत हो गई।

पटना के सदाकत आश्रम में आज कांग्रेस जिलाध्यक्षों की बैठक, 3.5 लाख नए सदस्य जुड़ने का दावा

एजेंसी, पटना

पटना स्थित सदाकत आश्रम में आज बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन सृजन अभियान के तहत जिला अध्यक्षों की बैठक हुई। इसमें प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु भी मौजूद थे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा, 'पार्टी का पूरा फोकस फिलहाल संगठन को मजबूत करने पर है। जिला और प्रखंड स्तर पर संगठन विस्तार की समीक्षा की जा रही है। हर महीने जिलाध्यक्षों से प्रगति रिपोर्ट ले रही हैं।'

राजेश राम ने स्पष्ट किया कि चुनाव परिणामों की समीक्षा के बाद पार्टी नेतृत्व, विशेषकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निर्देश पर संगठन को बूथ स्तर तक

मजबूत करने का अभियान चलाया जा रहा है।

करीब 3.5 लाख लोग कांग्रेस से जुड़ें: राजेश राम ने आगे कहा, 'कांग्रेस ने तीन बिंदुओं पर आधारित ग्रेडिंग सिस्टम लागू किया है, जिसमें राजनीतिक कार्यक्रम, स्थानीय स्तर पर गतिविधियां और संगठन विस्तार के तहत नए सदस्यों की संख्या का मूल्यांकन किया जा रहा है। संगठन सृजन अभियान के तहत करीब 3.5 लाख लोग कांग्रेस से जुड़े हैं।' उन्होंने बताया, कई जिलों में सदस्यता अभियान की शुरुआत हो चुकी है और समीक्षा की जा रही है। जिला अध्यक्षों को दो चरणों में बुलाया गया है। पहले चरण की बैठक में अधिकांश जिलाध्यक्ष शामिल हुए हैं।

- राजेश राम बोले- संगठन और कार्यकर्ता को मजबूत करने पर जोर

कांग्रेस अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने में जुटी- राजेश राम: राजेश राम ने कहा, 'कांग्रेस फिलहाल अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने में लगी है। जब तक पार्टी के "दोनों पैर" यानी संगठन और कार्यकर्ता पूरी तरह मजबूत नहीं हो जाते, तब तक आगे की राजनीतिक रणनीति पर विस्तार से काम नहीं किया जाएगा।'

संक्षिप्त समाचार

पांच दिन बाद मिला कमलेश का शव, रौशन की तलाश जारी; लालबेगिया गांव में पसरा मातम

बीएनएम@ चिरैया/पताही। सावन की पहली सोमवारी पर देवापुर स्थित लालबकेया-बागमती नदी संगम घाट पर जलभरी के दौरान हुए दर्दनाक हादसे के पांच दिन बाद एक परिवार का इंतजार दर्दनाक अंत के साथ खत्म हो गया, जबकि दूसरे परिवार की उम्मीदें अब भी नदी की लहरों से जुड़ी हुई हैं। चिरैया थाना क्षेत्र के लालबेगिया गांव निवासी उमाकांत यादव के 17 वर्षीय पुत्र कमलेश कुमार का शव गुरुवार को नदी से बरामद कर लिया गया। शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मां-बाप और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में मातम का माहौल है और शोक की लहर दौड़ गई है। वहीं, रमेश यादव के 14 वर्षीय पुत्र रौशन कुमार का अब तक कोई सुराग नहीं मिल सका है। प्रशासन, एसडीआरएफ की टीम और स्थानीय गोताखोर लगातार बागमती नदी में खोज अभियान चला रहे हैं। देर शाम तक रौशन का पता नहीं चल सका था। परिजन नदी किनारे टकटकी लगाए किसी चमत्कार की उम्मीद में बैठे हैं। बताया जाता है कि सावन की पहली सोमवारी पर तीन युवक देवापुर स्थित लालबकेया-बागमती संगम घाट पर जल भरने पहुंचे थे। इसी दौरान तीनों गहरे पानी में चले गए। इनमें से एक युवक किसी तरह सुरक्षित बाहर निकल आया, जबकि कमलेश कुमार और रौशन कुमार नदी की तेज धारा में बहकर लापता हो गए थे। घटना के पांच दिन बाद कमलेश का शव मिलने से एक परिवार की प्रतीक्षा समाप्त हो गई, लेकिन रौशन के परिजनों की चिंता और बेचैनी लगातार बढ़ती जा रही है। प्रशासन का कहना है कि रौशन की तलाश के लिए खोज अभियान लगातार जारी रहेगा और जब तक उसका पता नहीं चल जाता, एसडीआरएफ एवं स्थानीय गोताखोर नदी में सर्च ऑपरेशन जारी रखेंगे।

रक्सौल में 195 बोतल नेपाली कस्तूरी शराब बरामद, तीन तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम@ रक्सौल। आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 195 बोतल नेपाली कस्तूरी शराब के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

आबकारी थाना रक्सौल के थानाध्यक्ष सोनू कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सिसवा-भेलाही मार्ग पर मंगलवार देर रात करीब 10:30 बजे छापेमारी की गई। इस दौरान पलनवा थाना क्षेत्र के जैतापुर लौकरिया निवासी सुदीश दास (पुत्र नथु दास), अनवर दास तथा रंजन कुमार (21 वर्ष, पुत्र शिवपूजन दास) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बोरे में छिपाकर रखी गई 195 बोतल नेपाली कस्तूरी शराब बरामद की। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि शराब नेपाल से लाकर भारत में अवैध रूप से बिक्री के लिए लाई जा रही थी। आबकारी थाना पुलिस ने तीनों के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थानाध्यक्ष सोनू कुमार ने बताया कि मामले की जांच जारी है। शराब तस्करी के नेटवर्क और मुख्य सप्लायरों तक पहुंचने के लिए पुलिस छानबीन कर रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अवैध शराब के कारोबार से संबंधित कोई भी सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि ऐसे तत्वों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

रामगढ़वा में बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता पर सीआरसी स्तरीय कार्यशाला आयोजित

बीएनएम@ रामगढ़वा। प्रखंड के उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय, मुरला में बुधवार को बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता (एफएलएन) विषय पर एक दिवसीय सीआरसी स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का संचालन प्रशिक्षक मो. सद्दाम, श्याम कुमार एवं राजकुमार ने किया। प्रशिक्षकों ने कहा कि बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता बच्चों की शिक्षा की मजबूत नींव है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों में समझ, तार्किक सोच, प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति तथा समस्या समाधान की क्षमता विकसित होती है। इससे शिक्षण प्रक्रिया अधिक प्रभावी, रोचक और बच्चों के दैनिक जीवन से जुड़ी बनती है। कार्यशाला में संकुल के सभी विद्यालयों से दो से चार शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षकों ने शिक्षकों को नवीन शिक्षण विधियों एवं गतिविधि आधारित पठन-पाठन की जानकारी दी, ताकि वे अपने-अपने विद्यालयों में इन तरीकों को अपनाकर बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार ला सकें। कार्यक्रम में शामिल शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं ने प्रशिक्षण को उपयोगी, प्रेरणादायक और नवाचारपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से शिक्षण कार्य को अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर नंदू राम, हरिराम, शहजादी खातून सहित संकुल के कई शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

स्तनपान सप्ताह पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, छात्राओं ने पोस्टर के माध्यम से दिया संदेश

बीएनएम@ मोतिहारी

मनोरमा देवी सीकरिया एएनएम ट्रेनिंग स्कूल, राधा नगर, मोतिहारी में विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा जिला उपाध्यक्ष मीना मिश्रा, जीएनएम सरकारी स्कूल की प्राचार्या प्रियंका सुमन भारती, स्कूल की प्राचार्या प्रीति दुबे एवं शिक्षिकाओं ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर सभी अतिथियों को शॉल एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कॉलेज के सचिव एवं भाजपा नेता यमुना सीकरिया ने कहा कि केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत स्तनपान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस दौरान छात्राओं ने स्तनपान के महत्व पर पोस्टर प्रस्तुति दी, जिसके लिए अतिथियों ने उन्हें मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि मीना मिश्रा ने कहा कि सभी माताओं को जन्म के बाद सबसे पहले अपने शिशु को मां का दूध अवश्य पिलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मां का दूध बच्चे के लिए अमृत के समान है और उसके सर्वांगीण विकास के लिए सबसे उत्तम आहार है। जीएनएम सरकारी स्कूल की प्राचार्या प्रियंका सुमन भारती ने नर्सिंग के क्षेत्र में छात्राओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मां के दूध में सभी आवश्यक पोषक तत्व एवं रोगों से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता होती है। उन्होंने इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के लिए संस्थान की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्या प्रीति दुबे ने किया। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की अनुशंसाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि जन्म से छह माह तक शिशु के लिए केवल मां का दूध ही सर्वोत्तम आहार है। उन्होंने कोलोस्ट्रम (मां का पहला गाढ़ा दूध) के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि यह नवजात की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। साथ ही उन्होंने कहा कि कार्यस्थलों एवं सार्वजनिक स्थानों पर स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए अलग एवं सम्मानजनक व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं और स्तनपान के प्रति जागरूकता का संकल्प लिया।

आज मोतिहारी में होगा भव्य पंच सम्मेलन, विकसित भारत–जी राम जी अधिनियम 2025 पर होगा जागरूकता कार्यक्रम

बीएनएम@ मोतिहारी

विकसित भारत–जी राम जी अधिनियम 2025 के संबंध में जागरूकता अभियान के तहत आज शुक्रवार, 7 अगस्त 2026 को मोतिहारी के राजा बाजार स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह में भव्य पंच सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्वाह्न 10 बजे जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव के कर-कमलों द्वारा किया जाएगा। उक्त सम्मेलन में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार सहित जिले के अन्य वरीय पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष ममता राय, उपाध्यक्ष, सभी जिला परिषद सदस्य, जिले के सभी प्रखंडों के प्रमुख एवं उप प्रमुख, पंचायत समिति सदस्य तथा जिले के सभी पंचायतों के मुखिया भाग लेंगे। इसके अलावा सभी पंचायत सचिव, कार्यक्रम पदाधिकारी एवं प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी भी जागरूकता कार्यक्रम में शामिल होकर विकसित भारत–जी राम जी अधिनियम 2025 से संबंधित विभिन्न प्रावधानों एवं उद्देश्यों की जानकारी प्राप्त करेंगे। सम्मेलन का उद्देश्य पंचायत प्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों को अधिनियम के प्रति जागरूक करते हुए उसके प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना है।

भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी की बड़ी कार्रवाई, 30 बोतल नेपाली शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी

भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) को गुरुवार को बड़ी सफलता मिली। वाहिनी के कोरैया समवाय की पेट्रोलिंग टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 30 बोतल प्रतिबंधित नेपाली शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया।जानकारी के अनुसार, एसएसबी की पेट्रोलिंग टीम श्यामपुर मार्ग पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान नेपाल की ओर से एक संदिग्ध युवक सफेद प्लास्टिक का बोरा कंधे पर लेकर भारत की ओर आता दिखाई दिया। जवानों ने उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह भागने लगा। पेट्रोलिंग टीम ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 300-300 मिलीलीटर की नेपाली कस्तूरी शराब की 30 बोतलें बरामद हुईं। पूछताछ में गिरफ्तार युवक ने अपनी पहचान प्रकाश कुमार (15), पिता लाल बाबू चौरसिया, ग्राम श्यामपुर, थाना आदापुर के निवासी के रूप में बताई।एसएसबी ने मौके पर जब्ती सूची तैयार कर बरामद शराब को जब्त कर लिया। गिरफ्तार किशोर एवं जब्त शराब को अग्रिम कानूनी कार्रवाई के लिए महुअवा थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

दाखिल-खारिज में तेजी लाने के निर्देश, सदर अंचल कार्यालय का डीएम ने किया औचक निरीक्षण

बीएनएम@ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने गुरुवार को अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा के साथ सदर अंचल कार्यालय, मोतिहारी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अंचल अधिकारी, राजस्व अधिकारी समेत अन्य कर्मी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने दाखिल-खारिज, परिमार्जन, ई-मापी (E-Maapi), एलपीसी (LPC) प्रमाण पत्र, सरकारी भूमि अतिक्रमण वाद सहित विभिन्न राजस्व मामलों की समीक्षा की। साथ ही आरटीपीएस काउंटर का निरीक्षण कर प्राप्त एवं निष्पादित आवेदनों के संधारण की जांच की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने दाखिल-खारिज के लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन पर जोर देते हुए एक सप्ताह के भीतर कार्यों में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सरकार की विकास योजनाओं के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया में भी तेजी लाने को कहा। निरीक्षण के दौरान अंचल पंजी के संधारण में खामियां पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर सभी अभिलेखों को अद्यतन कर व्यवस्थित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राजस्व कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता और अभिलेखों का समुचित संधारण हर हाल में सुनिश्चित किया जाए।

टीबी मुक्त भारत अभियानः 32 मरीजों को तीन माह की पोषण किट वितरित

» दो सप्ताह से अधिक खांसी-बुखार हो तो तुरंत कराएं निःशुल्क जांच

निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों का सहयोग करें : डॉ. संजीव

बीएनएम@ मोतिहारी

प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत गुरुवार को जिला यक्ष्मा केंद्र में लायंस क्लब ऑफ मोतिहारी कपल की ओर से शहर के 32 टीबी मरीजों के बीच तीन माह के लिए पोषण किट का वितरण किया गया।इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार ने बताया कि क्लब के उपाध्यक्ष लायन डॉ. सर्वेश राज चौधरी की उपस्थिति में मरीजों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया गया, ताकि वे नियमित दवा के साथ संतुलित पोषण लेकर जल्द स्वस्थ हो सकें। जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. संजीव ने कहा कि टीबी के अधिकांश मरीज आर्थिक रूप से कमजोर एवं मजदूरी करने वाले वर्ग से होते हैं। ऐसे मरीजों के बेहतर उपचार और पोषण के लिए समाज के लोगों को आगे आकर 'निक्षय मित्र' बनना चाहिए तथा उन्हें हरसंभव सहयोग देना चाहिए। वहीं डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि टीबी का संक्रमण किसी भी व्यक्ति को हो सकता है। यदि किसी को दो सप्ताह से अधिक समय तक खांसी, बुखार या अन्य लक्षण बने रहें तो जिला टीबी अस्पताल अथवा नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में निःशुल्क जांच करानी चाहिए। उन्होंने बताया कि टीबी की दवाएं सरकार द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं तथा उपचार अवधि के दौरान मरीजों को सरकारी सहायता भी दी जाती है। उन्होंने बताया कि पूर्व में जिलाधिकारी, सिविल सर्जन सहित स्वास्थ्य विभाग के कई पदाधिकारी एवं कर्मी भी निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों को गोद ले चुके हैं। कार्यक्रम में क्लब के उपाध्यक्ष लायन नवीन निशांत, मधुसूदन जालान, प्रशांत जायसवाल, लायन विनय कुमार, प्रीति गुप्ता, रेणु जालान, रंजिता गुप्ता, प्रशांत गुप्ता, अनुष्का, डॉ. राजेश श्रीवास्तव, डॉ. अशोक कुमार, प्रमोद लोहिया, विनय कुमार, स्नेहा सिकरिया, लायन मनीष शाह, गौरी जायसवाल एवं अभिषेक लोहिया का सराहनीय योगदान रहा।

राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप के लिए पूर्वी चंपारण के दो खिलाड़ी मुजफ्फरपुर रवाना

बीएनएम@ मोतिहारी

प्रथम बिहार राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप-2026 में भाग लेने के लिए पूर्वी चंपारण के दो प्रतिभाशाली खिलाड़ी बुधवार देर शाम मुजफ्फरपुर के लिए रवाना हुए। चार दिवसीय यह प्रतियोगिता छह से नौ अगस्त तक आयोजित होगी। प्रतियोगिता में अर्नव अंडर-13 एवं अंडर-15 वर्ग में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे, जबकि आयुष अंडर-15 और अंडर-17 वर्ग में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। दोनों खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन को लेकर उत्साह और आत्मविश्वास जताया।रवाना होने से पूर्व जिला खेल पदाधिकारी अंकित कुमार ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। वहीं पूर्वी चंपारण टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार, सुनील कुमार, नागेन्द्र प्रसाद, विभाष चंद्र एवं रमेश कुमार ने भी खिलाड़ियों को सफलता की शुभकामनाएं देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद जताई। इस अवसर पर संघ के सचिव शैलेन्द्र मिश्र 'बाबा', जिला कबड्डी संघ के सचिव भानू प्रकाश सहित अन्य खेल प्रेमी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

घोड़ासहन पुलिस की बड़ी कार्रवाईः सात फरार आरोपितों के घर चस्पा किया इश्तहार, हाजिर नहीं होने पर होगी कुर्की-जब्ती

बीएनएम@ घोड़ासहन

घोड़ासहन थाना पुलिस ने शराब तस्करी एवं अन्य गंभीर मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे सात आरोपितों के विरुद्ध न्यायालय के आदेश पर बड़ी कार्रवाई करते हुए उनके घरों पर इश्तहार चस्पा किया। इस दौरान पुलिस ने मुनादी कराते हुए आरोपितों को निर्धारित अवधि के भीतर आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। पुलिस के अनुसार, घोड़ासहन थाना कांड संख्या 196/26 (दिनांक 11 मई 2026) में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 190, 191(2), 193(3), 126(2), 117(2), 118(1), 109, 132, 262 तथा बिहार उत्पाद अधिनियम की धारा 30(ए), 41(1) एवं 45 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले में नामजद सभी आरोपित लंबे समय से फरार चल रहे हैं। पुलिस ने जिन आरोपितों के घर इश्तहार चस्पा किया, उनमें सत्येंद्र कुमार (पिता- तेजा राय), मंटू कुमार (पिता- विंदेश्वर राय), प्रिंस कुमार (पिता- रामाधार राय), सुधांशु कुमार उर्फ गठीला, श्याम कुमार (पिता- रुदल राय), गोलू कुमार (पिता- चंदेश्वर राय) निवासी ग्राम जगीरहा बड़वाखुर्द, थाना कुंडवाचैनपुर तथा संदीप कुमार (पिता- दरोगा राय), निवासी ग्राम जगीरहा कोठी, थाना घोड़ासहन शामिल हैं। पुलिस टीम ढोल-नगाड़ों के साथ आरोपितों के पैतृक आवासों पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मौजूदगी में न्यायालय का इश्तहार चस्पा कर मुनादी कराई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर आरोपित न्यायालय अथवा थाने में उपस्थित नहीं होते हैं, तो न्यायालय के अगले आदेश पर उनके विरुद्ध कुर्की-जब्ती की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घोड़ासहन पुलिस ने कहा कि फरार अपराधियों की गिरफ्तारी और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

घोड़ासहन के गुदरी बाजार पोखर से 72 घंटे बाद बरामद हुआ सिकंदर ठाकुर का शव, परिजनों में मचा कोहराम

बीएनएम@ घोड़ासहन

स्थानीय गुदरी बाजार स्थित पोखरा में सोमवार की शाम डूबे सिकंदर ठाकुर उर्फ चाइनीज (पिता- स्व. रामबालक ठाकुर) का शव घटना के चौथे दिन यानी गुरुवार की शाम लगभग 5 बजे पानी की सतह पर तैरता हुआ बरामद कर लिया गया। लगभग 72 घंटे तक चले अनवरत खोज और सफाई अभियान के बाद शव मिलते ही परिजनों और स्थानीय लोगों में चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया है।

72 घंटे तक लगातार कैंप करती रही प्रशासन की टीम– सोमवार की शाम हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल हरकत में आ गया था। पिछले चार दिनों से अंचलाधिकारी

अतुल कुमार बादल, राजस्व अधिकारी सकलदेव प्रसाद और घोड़ासहन थाना की एएसआई पूजा कुमारी पुलिस बल व स्थानीय गोताखोरों के साथ घटनास्थल पर लगातार कैंप कर रहे थे। पोखर में काफी ज्यादा जलकुंभी और कचरा होने के कारण शव को ढूंढने में काफी मशक्कत का सामना करना पड़ रहा था।

पोखर की सफाई का रंग लाया प्रयास– अधिकारियों ने स्थानीय लोगों के सहयोग से पोखर की व्यापक स्तर पर सफाई शुरू करवाई। लगातार तीन दिनों तक चले इस गहन सफाई अभियान का नतीजा रहा कि गुरुवार शाम करीब 5 बजे पोखर का पानी साफ होते ही सिकंदर ठाकुर की लाश खुद-ब-खुद पानी के ऊपर आ गई।

रो-रोकर परिजनों का बुरा हाल, इलाके में मातमी सन्नाटा– जैसे ही शव मिलने की खबर फैली, पोखर के पास सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक अपने पीछे बिलखता परिवार छोड़ गया है। घटना के बाद से ही पूरे गुदरी बाजार और आसपास के इलाके में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव– शव बरामद होते ही घोड़ासहन थाना पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी करते हुए तुरंत शव को पंचनामा तैयार कर अंत्यपरीक्षण (पोस्टमार्टम) के लिए सदर अस्पताल, मोतिहारी भेज दिया। अंचलाधिकारी ने बताया कि आपदा प्रबंधन के तहत नियमानुसार पीड़ित परिवार को मिलने वाली सरकारी सहायता राशि प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

कोटवा पुलिस ने 2 किलो गांजा के साथ तस्कर को दबोचा, बाइक जब्त

बीएनएम@ मोतिहारी/कोटवा। कोटवा थाना पुलिस ने वाहन जांच अभियान के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए मच्छरगावां हाई स्कूल के समीप 2 किलोग्राम गांजा के साथ एक कथित कारोबारी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मनराज सिंह, निवासी उज्जैन लोहियार, थाना हरसिद्धि के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 2 किलो गांजा बरामद किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपी की एचएफ डीलक्स बाइक भी जब्त कर ली है। पुलिस मामले में एनडीपीएस अधिनियम के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। गिरफ्तारी और बरामदगी को लेकर विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

बिहार की सड़क योजनाओं को लेकर गडकरी से मिले मंत्री शैलेंद्र

कई बड़ी परियोजनाओं पर बनी सहमति

बीएनएम@ पटना। बिहार की सड़क अवसंरचना को बेहतर बनाने के उद्देश्य से पथ निर्माण मंत्री इंजीनियर कुमार शैलेंद्र ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे। बैठक में विक्रमशिला सेतु के समानांतर पॉन्टून ब्रिज के निर्माण, मुजफ्फरपुर-बरौनी एनएच-122 के चार लेन चौड़ीकरण, नौबतपुर से झारखंड सीमा तक एनएच-139 के निर्माण और हाजीपुर-मुजफ्फरपुर कांवरिया पथ समेत कई लंबित परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।इसके अलावा, विक्रमशिला सेतु के पुनर्निर्माण के दौरान यातायात सुचारू रखने, बिहपुर-फुलौत कोसी पुल को एप्रोच रैंप से जोड़ने और पासवान चौक से बिदुपुर तक एलिवेटेड सड़क बनाने का आग्रह किया गया। मंत्री ने बताया कि इन परियोजनाओं से बिहार की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और यात्रा सुगम बनेगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए बिहार आकर प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण करने का आश्वासन दिया है।

प्लास्टिक कचरे से लकड़ी का विकल्प

युवा इंजीनियर संजीत राय ने बनाई अनूठी तकनीक

बीएनएम@ बक्सर। बिहार का बक्सर जिला पर्यावरण संरक्षण और नवाचार का नया केंद्र बन रहा है। जिले के ब्रह्मपुर निवासी और आईआईटी चेन्नई से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर चुके संजीत राय ने सिंगल यूज प्लास्टिक कचरे को उपयोगी लकड़ी जैसे स्लैब में बदलने की तकनीक विकसित की है। इस पहल से प्लास्टिक प्रदूषण कम होने के साथ-साथ लकड़ी का टिकाऊ विकल्प भी तैयार हो रहा है।संजीत की इकाई में प्लास्टिक को प्रोसेस कर मजबूत स्लैब बनाए जाते हैं, जिनसे पार्क बेंच, डेस्क, कुर्सियां और अलमारी जैसे फर्नीचर तैयार किए जा रहे हैं। उनका उद्देश्य प्लास्टिक को उपयोगी संसाधन में बदलना है। बड़े शहर की नौकरी छोड़ बक्सर में उद्यम शुरू करने से स्थानीय युवाओं को भी रोजगार मिल रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि पानी प्रतिरोधक और टिकाऊ ये स्लैब जंगलों की कटाई रोकने में मददगार साबित होंगे। संजीत की यह पहल देश के लिए सतत विकास का एक प्रेरक उदाहरण है।

स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने IGIMS में पांच नई स्वास्थ्य सुविधाओं का किया उद्घाटन

बीएनएम@ पटना। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार गुरुवार को पटना स्थित इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) पहुंचे। यहां उन्होंने अस्पताल में शुरू हुई पांच नई स्वास्थ्य सुविधाओं का उद्घाटन किया। कई लोगों ने अस्पताल की व्यवस्था पर सवाल उठाए. कुछ मरीजों ने इलाज में देरी की शिकायत की। इसी दौरान एक महिला भी स्वास्थ्य मंत्री के सामने फूट-फूटकर रोने लगी. उसने कहा कि उसकी किडनी खराब है और ऑपरेशन नहीं हो पा रहा है। महिला ने कहा, "सर, आप लोग चले जाते हैं तो फिर कुछ नहीं होता। मेरा इलाज करवा दीजिए।" इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री ने मौके पर मौजूद डॉक्टरों को महिला के इलाज की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। निशांत कुमार ने अस्पताल की OPD का भी निरीक्षण किया. उन्होंने मरीजों से इलाज और सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। कुछ मरीजों ने इलाज को संतोषजनक बताया, जबकि कई लोगों ने लंबी लाइन, भीड़ और व्यवस्था को लेकर शिकायतें भी कीं। निरीक्षण के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि IGIMS में पांच नई सुविधाओं की शुरुआत की गई है। इनमें HIV, हेपेटाइटिस-बी और हेपेटाइटिस-सी संक्रमित मरीजों के लिए अलग डायलिसिस सुविधा भी शामिल है। उन्होंने कहा कि बिहार में पहली बार इस तरह की समर्पित व्यवस्था शुरू की गई है और आगे इसे अन्य सरकारी अस्पतालों में भी लागू किया जाएगा। अस्पताल में OPD कमांड सेंटर भी शुरू किया गया है। अब मरीज इलाज, जांच, भर्ती, आयुष्मान भारत योजना और अन्य सेवाओं से जुड़ी शिकायतें सीधे यहां दर्ज करा सकेंगे. इससे दलालों की भूमिका पर भी रोक लगाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा 20 नई डायलिसिस यूनिट शुरू होने से अब पहले की तुलना में कहीं अधिक मरीजों का डायलिसिस हो सकेगा। वहीं नए मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर और क्रिटिकल केयर ICU शुरू होने से गंभीर मरीजों के इलाज और ऑपरेशन की क्षमता भी बढ़ेगी।

असमाजिक तत्वों ने उजाड़ी किसान की फसल

17 केले के घवद काटकर गिराए

बीएनएम@ बगहा: बगहा पुलिस जिला के गंडक पार धनहा थाना क्षेत्र के खलवापट्टी गांव में अज्ञात असामाजिक तत्वों ने एक किसान की केले की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। पीड़ित किसान शुकदेव यादव ने धनहा थाना में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।=किसान ने बताया कि गुरुवार की सुबह जब वह खेत में पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि रात के वक्त किसी ने खेत में लगे 17 केले के घवद काटकर जमीन पर गिरा दिए हैं। केला अभी तैयार नहीं हुआ था, जिससे उन्हें बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है। इस घटना से किसान काफी आहत हैं और ग्रामीणों ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।धनहा थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि किसान का आवेदन मिल गया है और पुलिस टीम मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पांच साल में ही जर्जर हुई जिहुली-गोनाही सड़क

2.14 करोड़ से बनी जिहुली-गोनाही सड़क पर उभरे दर्जनों गड्ढे, रखरखाव पर उठे सवाल; ग्रामीण बोले- हर सफर बन गया हादसे का खतरा

» 2020 के विधानसभा चुनाव में सियासत का केंद्र रही सड़क अब बदहाली की मिसाल, मेंटेनेंस अवधि खत्म होने के बाद विभाग ने नए टेंडर की कही बात

बीएनएम@ अभिराम कुमार

पताही। वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव के दौरान राजनीतिक बहस का केंद्र बनी जिहुली-गोनाही मुख्य सड़क आज अपनी बदहाल स्थिति को लेकर फिर चर्चा में है। करीब 6.20 किलोमीटर लंबी यह सड़क जगह-जगह टूट चुकी है और लगभग एक दर्जन स्थानों पर बड़े-बड़े गड्ढे बन जाने से राहगीरों के लिए हर दिन दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि इस मार्ग पर सफर करना जोखिम उठाने जैसा हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार हल्की बारिश होते ही गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे दोपहिया और छोटे चारपहिया वाहन चालकों को सड़क की वास्तविक स्थिति का अंदाजा नहीं लग पाता। कई बार वाहन असंतुलित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। रात के समय यह समस्या और गंभीर हो जाती है, क्योंकि अंधेरे में गड्ढों का पता चलना मुश्किल हो जाता है। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ अनुरक्षण कार्यक्रम के तहत वर्ष 2020 में जिहुली चबूतरा से गोनाही तक 6.20 किलोमीटर सड़क का निर्माण उत्तर बिहार कंस्ट्रक्शन द्वारा कराया गया था। इस परियोजना पर 214.494 लाख रुपये की निर्माण लागत स्वीकृत हुई थी, जबकि पांच वर्षों के रखरखाव के लिए 55.573 लाख रुपये का अलग से प्रावधान किया गया था। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि निर्धारित अवधि के दौरान सड़क का नियमित अनुरक्षण और मरम्मत कार्य कराया गया होता तो सड़क इतनी जल्दी जर्जर नहीं होती। उनका कहना है कि कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों को सड़क की बदहाल स्थिति से अवगत कराया गया, लेकिन समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस पहल नहीं हुई। नतीजतन सड़क की स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई और अब यह दुर्घटनाओं को खुला निमंत्रण देती नजर आ रही है। यह सड़क वर्ष 020 के विधानसभा चुनाव के दौरान भी काफी चर्चा में रही थी। निर्माण कार्य में देरी को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी थी। उस समय वर्तमान भाजपा विधायक लाल बाबू प्रसाद गुप्ता ने सड़क निर्माण में हो रही देरी को मुद्दा बनाते हुए उत्तर बिहार कंस्ट्रक्शन के संवेदक एवं तत्कालीन निर्दलीय विधानसभा प्रत्याशी इंजीनियर संजय कुमार सिंह पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाए थे। चुनावी सियासत का केंद्र बनी यही सड़क अब अपनी बदहाली के कारण फिर चर्चा में है। इस संबंध में ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि सड़क के अनुरक्षण (मेंटेनेंस) की निर्धारित अवधि समाप्त हो चुकी है। सड़क का सर्वे कराकर विभाग को रिपोर्ट भेज दी गई है। रिपोर्ट में सड़क की स्थिति अत्यंत जर्जर होने की जानकारी दी गई है। विभागीय स्वीकृति मिलने के बाद नए सिरे से टेंडर की प्रक्रिया पूरी कराकर मरम्मत एवं पुनर्निर्माण का कार्य शुरू कराया जाएगा।

पूसा कृषि विश्वविद्यालय में 21वीं शोध परिषद की बैठक आयोजीत

बीएनएम@ समस्तीपुर

कुलपति डॉ. पाण्डेय ने डिजिटल कृषि और नवाचार पर दिया जोर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के विद्यापति सभागार में गुरुवार को 21वीं शोध परिषद, खरीफ-2026 की दो दिवसीय बैठक का शुभारंभ किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय निधि से वित्त पोषित होने वाली 62 नई शोध परियोजनाओं की समीक्षा एवं उनका अनुमोदन करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. पी. एस. पाण्डेय ने कहा कि आज देश में कृषि का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है और आने वाले समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल कृषि तथा रोबोटिक्स कृषि क्षेत्र के स्वरूप को पूरी तरह बदल देंगे। उन्होंने वैज्ञानिकों से इन आधुनिक क्षेत्रों में शोध और नवाचार पर विशेष ध्यान देने की अपील की, ताकि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल किया जा सके। बैठक में बतौर विशेष अतिथि शामिल हुए नवसारी एवं जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. ए. आर. पाठक ने संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग में महज तीन वर्षों में 52वें स्थान से आठवें स्थान तक का शानदार सफर तय किया है। वहीं, कोटा कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. ए. के. व्यास ने बताया कि संस्थान अपने संसाधनों से 100 से अधिक शोध परियोजनाओं का संचालन कर रहा है। निदेशक शोध डॉ. ए. के. सिंह ने अपने स्वागत भाषण में विश्वविद्यालय की बढ़ती शोध क्षमताओं पर प्रकाश डाला। बैठक में डॉ. शैलेंद्र राजन, डॉ. एस. के. चतुर्वेदी और डॉ. सचिन नंदगुड़े सहित कई वरिष्ठ विशेषज्ञों ने अपने बहुमूल्य सुझाव दिए। यह दो दिवसीय बैठक शुक्रवार को भी जारी रहेगी, जिसमें लगभग 40 अन्य शोध प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर उनके अनुमोदन पर निर्णय लिया जाएगा।

फरार अभियुक्त के घर चस्पा किया इश्तहार, दूसरे ने कोर्ट में किया आत्मसमर्पण

बीएनएम@ हरसिद्धि

हरसिद्धि थाना पुलिस ने वर्ष 2016 के एक गंभीर आपराधिक मामले में फरार चल रहे प्राथमिक अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय के आदेश पर इश्तहार चस्पा किया है। वहीं, पुलिस की लगातार दबिश के कारण इसी मामले के एक अन्य प्राथमिक अभियुक्त ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस के अनुसार, हरसिद्धि थाना कांड संख्या 272/16 (दिनांक 23 अगस्त 2016) में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 147, 149, 323, 307, 353, 222, 223, 224, 225 एवं 120(बी) के तहत दर्ज मामले के प्राथमिक अभियुक्त मंटू सिंह, पिता सुरेश सिंह, निवासी कनछेदवा, थाना हरसिद्धि, जिला पूर्वी चंपारण के घर न्यायालय के आदेशानुसार विधिवत इश्तहार चस्पा किया गया। पुलिस ने बताया कि फरार अभियुक्त को निर्धारित अवधि के भीतर न्यायालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। ऐसा नहीं करने पर उसके विरुद्ध कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। इधर, इसी कांड में पुलिस की लगातार दबिश और कार्रवाई के दबाव में एक अन्य प्राथमिक अभियुक्त संतोष कुमार, पिता त्रिलोकी सिंह, निवासी रायकरिया, थाना पहाड़पुर, जिला पूर्वी चंपारण ने माननीय न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस का कहना है कि फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा और न्यायालय के आदेशों का सख्ती से पालन कराया जाएगा।

लायंस क्लब ऑफ रक्सौल में महिला नेतृत्व की नई शुरुआत, पहली बार तीनों शीर्ष पदों पर महिलाओं की जिम्मेदारी

बीएनएम@ रक्सौल

महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए लायंस क्लब ऑफ रक्सौल ने लायन सत्र 2026–27 के लिए पहली बार क्लब के तीनों प्रमुख पद—अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष—की जिम्मेदारी महिलाओं को सौंपकर नई मिसाल कायम की है। इस निर्णय को क्लब के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। एक सादगीपूर्ण एवं गरिमामय समारोह में पूर्व अध्यक्ष लायन बिमल सर्राफ ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष लायन प्रियंका सोनी को विधिवत पदभार सौंपा। वहीं लायन सीमा बर्णवाल ने सचिव तथा लायन डॉ. भावना चौहान ने कोषाध्यक्ष का दायित्व ग्रहण किया। समारोह का आयोजन पूर्व अध्यक्ष लायन गणेश धानोठिया के आवास पर किया गया। इस अवसर पर संस्थापक सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष लायन शंभु प्रसाद चौरसिया, लायन नारायण रुंगटा, लायन गणेश धानोठिया, लायन पंकज बर्णवाल, पूर्व सचिव लायन पवन किशोर कुशवाहा, पूर्व कोषाध्यक्ष लायन अमित कुमार, लायन संजय गुप्ता, लायन सुशीला धानोठिया सहित क्लब के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर क्लब के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान में लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322ई के जोनल चेयरपर्सन सह डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन लायन बिमल सर्राफ ने नई टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लायंस क्लब ऑफ रक्सौल ने सेवा कार्यों के माध्यम से अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्हें विश्वास है कि नई टीम अपने नेतृत्व, समर्पण और सेवा भावना से क्लब को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी तथा समाज सेवा के नए आयाम स्थापित करेगी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष लायन प्रियंका सोनी ने कहा कि वे सभी सदस्यों को साथ लेकर लायंस इंटरनेशनल के मूल मंत्र "We Serve" (हम सेवा करते हैं) को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगी। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सेवा के क्षेत्रों में क्लब की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प भी व्यक्त किया। देशभर में महिलाओं की नेतृत्व क्षमता और निर्णय प्रक्रिया में उनकी बढ़ती भागीदारी के बीच लायंस क्लब ऑफ रक्सौल का यह कदम समान अवसर, महिला सम्मान और सशक्त नेतृत्व का प्रेरणादायक संदेश देता है। यह पहल सामाजिक संगठनों में महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने की दिशा में एक उल्लेखनीय उदाहरण मानी जा रही है।

दूसरे राज्यों से आने वाले बालू-पत्थर वाहनों में अब जीपीएस अनिवार्य

बीएनएम@ पटना

» अवैध खनन और परिवहन पर सरकार की सख्ती
» रोजाना 4,000 वाहन कर रहे बिहार में प्रवेश
» 1,000 खनन सिपाहियों की होगी बहाली

बिहार में अन्य राज्यों से बालू और पत्थर लेकर आने वाले सभी वाहनों में अब जीपीएस लगाना अनिवार्य होगा। खान एवं भूतत्व मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में बताया कि इस व्यवस्था से वाहनों की निगरानी आसान होगी और अवैध खनन व परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकेगा। मंत्री ने बताया कि इंटर स्टेट ट्रांजिट पास (आईएसटीपी) व्यवस्था लागू होने के बाद प्रतिदिन करीब 4,000 वाहन दूसरे राज्यों से बिहार में प्रवेश कर रहे हैं। इन वाहनों की ऑनलाइन निगरानी के लिए जीपीएस व्यवस्था लागू की जा रही है। डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि आईएसटीपी व्यवस्था लागू होने के बाद पिछले लगभग दो माह में राज्य सरकार को 45 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। इससे खनिज परिवहन व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ी है और राजस्व संग्रह में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। मंत्री के अनुसार ट्रांजिट पास और जीपीएस आधारित निगरानी प्रणाली से खनिजों के परिवहन पर बेहतर नियंत्रण संभव हुआ है। इससे अवैध परिवहन की पहचान करना पहले की तुलना में अधिक आसान होगा। सरकार ने अवैध खनन और परिवहन पर रोक लगाने के लिए खनन सिपाही के 1,000 पदों पर बहाली की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। इससे निगरानी तंत्र को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा। मंत्री ने कहा कि जीपीएस तकनीक और अतिरिक्त मानव संसाधन उपलब्ध होने के बाद अवैध खनन व परिवहन के खिलाफ कार्रवाई और अधिक प्रभावी होगी। सरकार इस दिशा में लगातार सख्त कदम उठा रही है।

डीआईजी ने किया धनहा थाने का औचक निरीक्षण

दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

बीएनएम@ बगहा

बगहा पुलिस जिला के गंडक पार स्थित धनहा थाना का गुरुवार को पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) हरिकिशोर राय ने औचक निरीक्षण किया, जिससे थाना परिसर में पुलिसकर्मियों के बीच हलचल बनी रही। उनके आने से पहले बगहा एसपी राजेश कुमार ने पहुंचकर थाना परिसर की साफ-सफाई और भवनों का जायजा लिया। धनहा थाना पहुंचते ही डीआईजी हरिकिशोर राय को गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी दी गई। इसके बाद उन्होंने थाना कार्यालय के अभिलेखों की जांच, रखरखाव, सुरक्षा व्यवस्था और परिसर में निर्माणाधीन भवनों का बारीकी से निरीक्षण किया। डीआईजी ने पुलिस अधिकारियों को पारदर्शी कार्यशैली, अनुशासन बनाए रखने और लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने का सख्त निर्देश दिया। इस अवसर पर एसपी राजेश कुमार, बगहा एसडीपीओ निहार भूषण, पुलिस निरीक्षक रामाकांत तिवारी और थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह समेत कई पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

15 वर्षों से नाले की सफाई नहीं, बोरिंग चौक–स्कूल चौक मार्ग पर जलजमाव से लोगों का फूटा गुस्सा

हल्की बारिश में सड़क बन जाती है तालाब, राहगीर परेशान, दुकानदारों का कारोबार प्रभावित

बीएनएम@ तुरकौलिया

प्रखंड मुख्यालय स्थित बोरिंग चौक से स्कूल चौक तक की जलनिकासी व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। करीब 15 वर्ष पूर्व निर्मित नाले की आज तक सफाई नहीं होने के कारण वह गाद और कचरे से पूरी तरह जाम हो चुका है। परिणामस्वरूप हल्की बारिश के बाद भी सड़क पर घुटनों तक पानी जमा हो जाता है और यह व्यस्त मार्ग तालाब का रूप ले लेता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय-समय पर नाले की सफाई कराई जाती तो जलजमाव की समस्या उत्पन्न नहीं होती। वर्षों की अनदेखी के कारण नाले की जलनिकासी क्षमता समाप्त हो गई है, जिससे बारिश का पानी सड़क पर ही ठहर जाता है। यह सड़क अरेराज और मोतिहारी को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन और हजारों राहगीरों का आवागमन होता है। जलजमाव के कारण सड़क पर फिसलन बढ़ गई है और अब तक एक दर्जन से अधिक लोग गिरकर घायल हो चुके हैं। वहीं दुकानों के सामने पानी जमा रहने से ग्राहकों की आवाजाही कम हो गई है, जिससे स्थानीय व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। दुकानदार दिनेश सिंह, आनंद अकेला, अभय कुमार और विनोद सिंह सहित अन्य लोगों ने बताया कि नाले की सफाई और सड़क की मरम्मत को लेकर कई बार प्रशासन को आवेदन दिया गया, लेकिन आज तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। उनका कहना है कि यदि नाले की सफाई करा दी जाए तो जलजमाव की समस्या काफी हद तक समाप्त हो सकती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से अविलंब नाले की सफाई, जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने तथा सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे जनआंदोलन शुरू करने को बाध्य होंगे।

विश्वसनीय संकेत अभी नहीं

क्या नए बिल और निलेकणी समिति के गठन से समस्याएं दूर हो जाएंगी? संभवतः नहीं, क्योंकि वजह तकनीकी कमजोरियां नहीं हैं। इसके कुछ कारण नीतिगत हैं, तो कुछ सिस्टम में अंदर तक पहुंचा कथित भ्रष्टाचार! नरेंद्र मोदी सरकार ने परीक्षा व्यवस्था में उभरी खामियों का तकनीकी समाधान पेश करने की कोशिश की है। इसके अलावा कानूनी उपाय के जरिए अपने सख्त इरादे का संदेश देने का प्रयास उसने किया है। मगर अंदाज वही पुराना है: मीडिया में मोटी सुर्खियां बनाने वाली घोषणाएं करना, जिससे लोग मानने लगें कि सरकार सब कुछ दुरुस्त करने के लिए सचमुच दृढ़-संकल्प है! इस साल नीट पेपर लीक होने के बाद ऐसी ही धारणा बनाने के लिए निर्णय लिया गया था कि दोबारा होने वाली नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र वायु सेना के विमान से भेजे जाएंगे! उसी राह पर चलते हुए अब केंद्र ने पेपर लीक से संबंधित कानून को पहले से ज्यादा सख्त बनाने का बिल पेश किया है। मगर सख्त कानून, अत्यधिक कड़ी सज़ा के प्रावधान, और फास्ट ट्रैक कोर्ट जैसी बातें विभिन्न मामलों में इतनी बेअसर साबित हुई हैं कि उनसे युवा वर्ग को संतुष्ट करना अब कठिन हो सकता है। परीक्षा तंत्र को तकनीकी रूप से दुरुस्त करने के उपाय सुझाने के लिए नंदन निलेकणी की अध्यक्षता में बनी समिति उपजी शिकायतों को दूर कर पाएगी, इसकी संभावना भी कम ही है। इसलिए कि पेपर लीक या शिक्षा व्यवस्था में उभरी खामियों की वजह तकनीकी कमजोरियां नहीं हैं। इसकी कुछ वजहें नीतिगत हैं, जबकि ज्यादा दिक्कत सिस्टम में फैले कथित भ्रष्टाचार से उभरी है। यहां इसे अवश्य ध्यान में रखना चाहिए कि कितना भी दोषमुक्त डिजिटल सिस्टम कायम कर लिया जाए, वह संदिग्ध नियुक्तियों, संस्थाओं की कमजोरी, और शासन-तंत्र में नैतिकता के ह्रास से उत्पन्न होने वाली समस्याओं की भरपाई नहीं कर सकता। ना ही उससे शिक्षा को मुनाफे के कारोबार में तब्दील करने वाली नीतियों से बनी स्थिति का समाधान ढूंढा जा सकता है। पेपर लीक के हालिया मामलों में अंदर तक पहुंच रखने वाले लोगों, कोचिंग संस्थानों, और लीक पेपर खरीदने को तैयार लोगों के बाजार की मिलीभगत के गंभीर आरोप लगे हैं। नीलेकणी समिति इसका क्या समाधान पेश करेगी? अतः मामला व्यवस्थागत है, जिसका सीधा संबंध राजनीतिक इच्छाशक्ति से है। इस स्थिति को सरकार सचमुच बदलना चाहती है, इसके विश्वसनीय संकेत अभी नहीं मिले हैं।

अंत में अब ‘कॉकरोच का लेबल!

हरिशंकर व्यास

सन् 2026 की 20 जुलाई से 25 जुलाई के बीच भारत में वह हुआ, जिसकी दुनिया के किसी लोकतांत्रिक देश ने कल्पना नहीं की। दुनिया के अखबारों, टीवी चैनलों और डिजिटल मंचों पर भारत बतौर ‘कॉकरोच’ की पहचान के साथ उभरा। कभी ‘सांप-संपेरों के हिंदुस्तान’ की इमेज थी। पर 1947 में स्वतंत्रता के बाद के दशकों में लोकतंत्र, भारत-निर्माण, आईटी, उभरती आर्थिकी, परमाणु ताकत, आईआईटी-आईआईएम सहित शिक्षा की बेहतरी तथा विशाल जनसंख्या के बाजार के नाते भारत प्रतिष्ठित हुआ। वह सब अब हाशिए में है और अब भारत ‘कॉकरोच’ है। भारत में मनुष्य, नवजात पीढ़ी ‘कॉकरोच’ है, जिस पर लाठियां, पैलेट गन की गोलियां बरसी। यह वैश्विक अजूबा है और तभी दुनिया के हर कोने में अखबारों के पहले पेज पर, बैनर हेडलाइंस, ब्रेकिंग न्यूज की तरह छपा।सवाल है, कौन दोषी, किसने कॉकरोच भारत बनाया है? क्या संघ परिवार और उसके प्रचारक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह नहीं? इसलिए ‘कॉकरोच’ फर्जी हिंदू राष्ट्र, फर्जी अमृतकाल का वह कलंक है, जिससे भले मोदी सरकार और भक्त हिंदू शर्मिंदा न हों, लेकिन विश्व मानव समाज अवश्य 145 करोड़ लोगों के भारत को जुगुप्सा, वितृष्णा से देख, समझ रहा है।

सोचें, इक्कीसवीं सदी में दुनिया में आगे भारत अब क्या इमेज लिए है? एक ऐसा देश, जो स्वयं को ‘विश्वगुरु’, ‘लोकतंत्र की जननी’, ‘विकसित भारत’ और ‘विश्वबंधु’ बताता है, वहां ‘कॉकरोच’ है, ‘कॉकरोच राजनीति’ है, ‘कॉकरोच आर्थिकी’ है, आदि-आदि। मोदी ने, अमित शाह ने पहले भारत के नागरिकों के आगे अनागरिक होने की तलवार लटकाई। पश्चिम बंगाल के लाखों दस्तावेज़युक्त वैध मतदाताओं को अनागरिक बनाकर उन्हें मताधिकार से बाहर किया। इसे चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट ने अपराध नहीं माना। फिर पूरे भारत के नागरिकों में ही मनुष्य को सर्वोच्च अदालत से ‘कॉकरोच’ परजीवी होने की तख्ती मिली! बावजूद इसके हिंदू राष्ट्र के भक्त हिंदुओं को शर्म नहीं आई, न ग्लानि हुई। इन हिंदुओं के हिंदू होने के डीएनए की सचमुच जांच होनी चाहिए। ये कौन से, क्या हिंदू हैं, इसका जवाब सनातन धर्म का शायद ही कोई ग्रंथ दे पाए। मैं हिंदू हूं, राष्ट्रवादी हूं और मुझे इतना सामान्य ज्ञान है कि सनातन धर्म में मानव जन्म को परम प्राप्ति कहा गया है। जन्म-जन्मांतर के विश्वासी हम सनातनियों का मूल सूत्र है कि मनुष्य, ईश्वर की सबसे बड़ी कृति है। भगवान ने (श्रीमद्भागवत पुराण 11.9.29) अपनी मायाशक्ति से वृक्ष, सरीसृप (सांप आदि), पशु, पक्षी, मच्छर, मछलियां आदि अनेक योनियां बनाईं। परंतु उन्हें तब तक संतोष नहीं हुआ, जब तक उन्होंने मनुष्य शरीर की रचना नहीं की। और ईश्वर स्वयं मनुष्य शरीर में ब्रह्म (ईश्वर) को जानने और देखने की बुद्धि देखकर अत्यंत प्रसन्न हुए। ऐसा ही आदि शंकराचार्य का दिया सूत्र (विवेकचूड़ामणि, श्लोक 2) है कि समस्त प्राणियों में मनुष्य जन्म सबसे दुर्लभ है। मनुष्य होने के बाद पुरुषत्व, फिर वैदिक धर्म का मार्ग जानना, फिर विद्वान होना, और उसके बाद आत्मा-अनात्मा का विवेक प्राप्त करके ब्रह्म में स्थित होना, यह सब सौ करोड़ जन्मों के पुण्यों के बिना संभव नहीं है। तभी, जब मैंने चीफ जस्टिस का ‘कॉकरोच’ वाला वाक्य और बाद में उनकी सफाई सुनी, तो बतौर ब्राह्मण मुझे ग्लानि हुई कि हम आज के ब्राह्मण कैसे हैं! कितने अविवेकी, बुद्धिहीन हो गए हैं! देश की सर्वोच्च अदालत का चीफ जस्टिस मनुष्य पर ‘कॉकरोच’ का लेबल चस्पां कर रहा है! जाहिर है, चीफ जस्टिस का विवेक भी नरेंद्र मोदी नाम के कथित कल्कि अवतार के समय में ब्राह्मणों के विवेक, पुरुषत्व, ज्ञान और बुद्धि, सभी के पतन की बानगी है। सोचें, गंभीरता से सोचें कि चीफ जस्टिस के साथी जजों से लेकर सर्वज्ञ, अजैविक भगवान नरेंद्र मोदी, उनकी सरकार के मंत्रियों, संघ और हिंदू साधु-संतों में किसी के भीतर भी इस शब्द को बदलवाने, शब्द-वापसी, पछतावा, शर्म या खेद प्रकट कराने की बुद्धि या हिम्मत नहीं आई। जबकि आदि शंकराचार्य ने मनुष्य के पुरुषत्व (सत्यनिष्ठ निर्भयता), विद्वत्ता तथा आत्मा-अनात्मा के विवेक के माध्यम से ब्रह्म में स्थित होने तक की क्षमता में हर मनुष्य से मानवीय व्यवहार और संवेदना की अपेक्षा की है।

जार्ज ऑरवेल का एक महान उपन्यास है, ‘एनिमल फार्म’। इसमें मनुष्य की प्रवृत्तियों की वास्तविकताओं पर पशुओं के जंगल राज की कहानी है। उन्होंने दिखाया है कि कैसे सुअर सत्ता हथिया लेते हैं और समानता के नाम पर नया अत्याचार खड़ा कर देते हैं। लेकिन ऑरवेल भी यह नहीं सोच सकते थे कि किसी लोकतंत्र में, मानव समाज में मनुष्यों की तुलना कीड़े-मकोड़ों, कॉकरोचों से होगी और शासन फिर इन कॉकरोचों को आंसू गैस के गोलों से खत्म करने के आदेश देगा। इसलिए मसला गहरा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में एक नागरिक को (भले वह परजीवी हो) ‘कॉकरोच’ करार देना नए भारत के वर्तमान और भविष्य की दशा-दिशा है। पिछले बारह वर्षों से सरकार ने नौजवानों (बहुसंख्य आबादी को ही) अवसरों से वंचित किया है। किसानों को उनकी फसल का वाजिब दाम नहीं मिल रहा। लोगों को सही शिक्षा, सही चिकित्सा और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के बजाय उन्हे पैसा बांटकर, झांसा देकर परजीवी और आश्रित बनाया है। बेमतलब की डिग्रियां बांटी जा रही हैं। परीक्षाओं के नाम पर लूट है, झांसा है। स्वाभाविक है कि सामान्य छात्र हो या वकीलों तथा स्नातक-स्नातकोत्तर डिग्रियां लिए नौजवान, बेगारी का जीवन जीते हुए है। यूथ (जैसे सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे वकील थे) भटकते-भटकते अन्याय और अवसरों की गुहार लगाता है, तो उसे क्या तमगा मिलता है? ‘कॉकरोच’ (परजीवी)! और फिर दुनिया के आगे ‘कॉकरोच भारत’! याद करें पिछले बारह वर्षों के अनुभवों पर। मोदी सरकार ने लोगों को (उनकी देखा-देखी बाकी सरकारों और पूरी राजनीति ने भी) लाभार्थी, खैराती और परजीवी बनाने का मिशन चला रखा है, और फिर उनकी नागरिकता पर भी सवाल खड़ा किया। अंत में अब ‘कॉकरोच’ (क्योंकि परजीवी) का लेबल! बारह वर्षों में न नागरिकों को पुरुषार्थी और स्वाभिमानी बनाया, न ही उन्हें समान अवसर दिए, मगर उन्हें कॉकरोच बना दिया! पता है, दुनिया में ‘कॉकरोच’ शब्द नरसंहार का संदर्भ लिए हुए है। अफ्रीका के देश रवांडा में तुत्सी समुदाय को ‘कॉकरोच’ कहा गया था। फिर उन पर कहर बरपा और वह शब्द नरसंहार की राजनीति का भी प्रतीक बना। संयुक्त राष्ट्र तथा मानवाधिकार अध्ययनों में ऐसी भाषा को अमानवीकरण (अर्थात मनुष्य को मनुष्य न मानने वाली भाषा) के रूप में चिन्हित किया गया है। ऐसे ही हिटलर ने यहूदियों को मारने के लिए उन्हें ‘चूहा’ कहा था। और गुजरे सप्ताह हिंदू लड़के-लड़कियों पर जब पैलेट गन से छर्रे मारे गए, तभी भक्त चेहरों के ये वाक्य भी छपे थे कि देश से ‘कॉकरोचों को खत्म करने का स्थायी इंतजाम’ हो। या ‘कॉकरोचों’ के पीछे ‘विदेशी ताकतें’, ‘खालिस्तानी संगठन’, ‘बांग्लादेश की इस्लामिक पार्टी की ताकतें’, ‘पाकिस्तान समर्थित ताकतें’ और ‘सोरोस फाउंडेशन’ हैं’! क्या यह रवांडा के पागलों जैसी भाषा नहीं है? गंवार हिंदू राष्ट्रवादियों को इतनी भी समझ नहीं है कि राष्ट्रों की प्रतिष्ठा अर्थव्यवस्था, सेना या चुनावों से नहीं बनती; बल्कि प्राथमिक कसौटी यह है कि वहां की सरकार अपने सामान्य नागरिक के साथ कैसा व्यवहार करती है? दक्षिण अफ्रीका वर्षों तक रंगभेद से कलंकित रहा। ऐसे ही सैन्य दमन से म्यांमार की पहचान मानवता का कलंक थी और है। चीन और रूस भले महाशक्ति हों, लेकिन ये मनुष्यों पर तानाशाही की स्थायी पहचान वाले देश हैं। सोचें, नरेंद्र मोदी ने अपनी ब्रांडिंग के लिए विश्व की राजधानियों में जाकर क्या-क्या तमाशे नहीं किए? जी-20 सम्मेलन से लेकर ‘भारत मंडपम’, योग दिवस, प्रवासी भारतीय सम्मेलनों आदि पर बेहिसाब पैसा उड़ेला। बारह वर्षों से सरकार सिर्फ और सिर्फ प्रोपेगंडा मोड में है। लेकिन भारत की सरकार को, उसके नेता को यह पता नहीं है कि विज्ञापनों, भाषणों, मीडिया और प्रोपेगंडा से इमेज नहीं बनती। राष्ट्र स्तर पर वह उस सार्वजनिक व्यवहार से बनती है, जिसे दुनिया के अलग-अलग पैमाने और इंडेक्स समय-समय पर मानव समाज के सामने प्रस्तुत करते हैं। पर जो सरकार, जो प्रधानमंत्री, जो सुप्रीम कोर्ट या चुनाव आयोग अपने नागरिकों को स्वयं ‘कॉकरोच’ का चरित्र प्रमाणपत्र दे, उस राष्ट्र का क्या चरित्र प्रमाणपत्र होगा? क्या ‘कॉकरोच’ नहीं? हिंदू हो या मुसलमान, दलित हो या आदिवासी, उच्च वर्ग हो या मध्यवर्ग, सभी को मोदी सरकार ने परजीवी बनाकर, उन्हें संदिग्ध नागरिक, अवैध मान कतार में खड़ा कर दिया है, तो उस देश को क्या कहेंगे? अब क्या है मां भारती? मोदी-शाह संसद में ‘वंदे मातरम्’ का गान अनिवार्य बना रहे हैं, जबकि मां भारती का क्या अर्थ बना दिया है? ‘कॉकरोचों’ की पालक, पोषक और जननी! और ‘कॉकरोच’ उर्फ मासूम लड़के-लड़कियां पैलेट गन से निशाना बनाने लायक! कोई न माने, लेकिन भारत राष्ट्र का साधारण मनुष्य आज ‘कॉकरोच’ का चरित्र प्रमाणपत्र लिए हुए है और वही भारत राष्ट्र का भी चरित्र प्रमाणपत्र है। इसे न कल्कि अवतार नरेंद्र मोदी समझते हैं, न कलियुगी चाणक्य अमित शाह, न चीफ जस्टिस सूर्यकांत, न चुनाव आयोग में बैठे कथित ज्ञानी ज्ञानेश कुमार और न संघ परिवार के कथित परम पूजनीय मुखिया मोहन भागवत! क्या यही संघ के सौ वर्षों का प्रारब्ध नहीं है?

शिक्षा से जुड़ी जान जोखिम में डालने वाली चिन्ताजनक मजबूरियां

ललित गर्ग

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने और 2047 तक ‘विकसित भारत’ का स्वप्न साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल इंडिया, स्मार्ट क्लासरूम, ऑनलाइन शिक्षा, नई शिक्षा नीति, आधुनिक विश्वविद्यालय और वैश्विक प्रतिस्पर्धा जैसे विषय हमारे विकास के प्रतीक बन चुके हैं। लेकिन इसी भारत की एक तस्वीर ऐसी भी है जो इन सभी उपलब्धियों को कठोर प्रश्नों के कटघरे में खड़ा कर देती है। मध्यप्रदेश के विदिशा जिले में बरसाती उफान के बीच बेतवा नदी को पार कर स्कूल जाते मासूम बच्चों की तस्वीर केवल एक घटना नहीं, बल्कि उस विकास मॉडल का आईना है जिसमें चमक अधिक है और संवेदना कम। वास्तव में किसी भी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक मापदंड उसकी गगनचुंबी इमारतें, चौड़ी सड़कें अथवा डिजिटल सुविधाएँ नहीं होतीं, बल्कि यह होता है कि उस देश का सबसे अंतिम, सबसे कमजोर और सबसे गरीब बच्चा कितनी सुरक्षा और सम्मान के साथ शिक्षा प्राप्त कर पा रहा है। यदि किसी बच्चे को विद्यालय पहुँचने के लिए उफनती नदी, बहते नाले, टूटी पुलिया, जर्जर रास्ते या जानलेवा परिस्थितियों का सामना करना पड़े तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा पर भी प्रश्नचिह्न है।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम स्पष्ट रूप से कहता है कि प्रत्येक बच्चे को उसके घर के समीप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना राज्य की जिम्मेदारी है। लेकिन वास्तविकता यह है कि अनेक गांवों में या तो विद्यालय हैं ही नहीं, और यदि हैं भी तो उनमें शिक्षक नहीं हैं। कहीं शिक्षक हैं तो विद्यार्थी नहीं, कहीं भवन हैं तो पढ़ाई नहीं, कहीं भवन ही जर्जर होकर मौत का इंतजार कर रहे हैं। ऊपर से विद्यालयों के समानीकरण की नीति ने अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों की दूरी और बढ़ा दी है। परिणामस्वरूप छोटे-छोटे बच्चों को प्रतिदिन कई किलोमीटर पैदल चलकर, नदियाँ पार कर अथवा जोखिम भरे रास्तों से होकर विद्यालय पहुँचना पड़ता है। विडंबना यह है कि आज हम शिक्षा में तकनीक के बढ़ते प्रयोग पर गर्व कर रहे हैं। स्मार्ट बोर्ड, डिजिटल कंटेंट, ऑनलाइन परीक्षाएँ और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षण की चर्चा हो रही है। लेकिन जब बच्चा विद्यालय तक सुरक्षित पहुँच ही नहीं पा रहा, तब यह सारी तकनीकी प्रगति उसके लिए केवल एक दूर का सपना बनकर रह जाती है। शिक्षा की पहली शर्त सुरक्षित विद्यालय तक पहुँचना है। यदि यही सुनिश्चित नहीं है तो स्मार्ट क्लासरूम भी उस बच्चे का उपहास ही बन जाते हैं।

यह समस्या केवल मध्यप्रदेश तक सीमित नहीं है। देश के अनेक राज्यों में बरसात आते ही हजारों बच्चे उफनते नालों, अस्थायी पुलों और क्षतिग्रस्त सड़कों को पार कर विद्यालय जाने को मजबूर होते हैं। कहीं नाव की व्यवस्था नहीं, कहीं पुल वर्षों से अधूरा पड़ा है, कहीं सड़क निर्माण भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। कई स्थानों पर बच्चे घंटों पानी उतरने का इंतजार करते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है। कई बच्चे भय के कारण विद्यालय जाना ही छोड़ देते हैं। इस प्रकार शिक्षा से वंचित होने का सबसे बड़ा कारण केवल गरीबी नहीं, बल्कि असुरक्षित आधारभूत संरचना भी बनती जा रही है। शिक्षा क्षेत्र की जानलेवा परिस्थितियाँ केवल नदी या नाले तक सीमित नहीं हैं। पिछले वर्षों में अनेक दर्दनाक घटनाएँ सामने आई हैं। कहीं जर्जर स्कूल भवन ढह गए, कहीं विद्यालयों में करंट लगने से बच्चों की मौत हुई, कहीं आग लगने से मासूम झुलस गए, कहीं ओवरलोड ऑटो और वैन दुर्घटनाग्रस्त हो गईं। दिल्ली के कोचिंग संस्थान में हुई त्रासदी ने यह भी दिखाया कि शिक्षा के नाम पर संचालित संस्थानों में सुरक्षा मानकों की कितनी घोर अनदेखी होती है। नीट जैसी परीक्षाओं में पेपर लीक और उससे उपजी निराशा ने अनेक प्रतिभाशाली छात्रों को आत्महत्या तक के लिए विवश किया। क्या यह भी शिक्षा व्यवस्था की असुरक्षा का ही एक रूप नहीं है?

सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि हमारी सरकारी व्यवस्था अक्सर किसी दुर्घटना के बाद ही क्यों जागती है? जब तक कोई बच्चा नदी में बह नहीं जाता, भवन गिर नहीं जाता, आग नहीं लग जाती या कोई बड़ा हादसा नहीं हो जाता, तब तक प्रशासनिक मशीनरी की संवेदनाएँ जैसे सोई रहती हैं। घटना के बाद जांच समिति बनती है, निलंबन होता है, मुआवजा घोषित होता है और कुछ दिनों बाद सब कुछ फिर सामान्य हो जाता है। यह प्रतिक्रियात्मक शासन व्यवस्था किसी भी सभ्य लोकतंत्र के लिए उचित नहीं कही जा सकती। इस विफलता के पीछे भ्रष्टाचार भी एक बड़ा कारण है। भवन निर्माण से लेकर सड़क, पुल, विद्यालय सुरक्षा प्रमाणपत्र, वाहन फिटनेस और निरीक्षण व्यवस्था तक अनेक स्तरों पर लापरवाही और भ्रष्टाचार व्याप्त है। कई बार बिना सुरक्षा मानकों की पूर्ति किए ही विद्यालयों, कोचिंग संस्थानों और परिवहन वाहनों को अनुमति मिल जाती है। निरीक्षण कागजों में पूरा हो जाता है और वास्तविकता किसी दुर्घटना के बाद सामने आती है। यदि जिम्मेदारी तय करने की संस्कृति विकसित नहीं होगी तो ऐसी घटनाएँ कभी समाप्त नहीं होंगी।

सरकार को यह समझना होगा कि शिक्षा केवल पुस्तकें बाँटने, छात्रवृत्ति देने और परीक्षाएँ आयोजित करने का नाम नहीं है। शिक्षा का वास्तविक अर्थ है-बच्चे के लिए सुरक्षित वातावरण, सम्मानजनक विद्यालय, प्रशिक्षित शिक्षक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और निर्भय आवागमन की व्यवस्था। जिस बच्चे का प्रतिदिन का संघर्ष विद्यालय तक जीवित पहुँचने का हो, वह ज्ञान की ऊँचाइयों तक कैसे पहुँचेगा? आज आवश्यकता यह है कि शिक्षा सुरक्षा को राष्ट्रीय मिशन बनाया जाए। जिन क्षेत्रों में नदी या नाले बाधा बनते हैं, वहाँ स्थायी पुलों का निर्माण प्राथमिकता से हो।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आज का राशिफल

मेष राशि : आज का दिन बढ़िया रहेगा। जमीन-जायदाद से जुड़ा रुका हुआ काम आज पूरा हो सकता है और पिछले कुछ समय से चल रही व्यस्तता के आज अच्छे परिणाम भी मिलेंगे। परिवार में सहयोग और उत्साह का माहौल बना रहेगा। इस राशि के कारोबारी अपनी प्लानिंग सबको न बताएं तो सफलता जरूर हासिल होगी।

वृष राशि: आज का दिन खुशियां लेकर आने वाला है। आप जिस काम के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, आज उसके सकारात्मक परिणाम मिलने वाले हैं। प्रॉपर्टी से जुड़े लेनदेन में फायदेमंद डील हो सकती है, इसलिए इन कामों पर ध्यान केंद्रित रखें। विद्यार्थियों को किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलने की पूरी संभावना है।

मिथुन राशि: आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जायेंगे, कन्फ्यूजन की स्थिति खत्म होगी। किसी काम से आज आपको बड़ा फायदा होने वाला है, साथ ही अधूरा काम पूरा हो जायेगा। आज खर्च में इजाफा बचत को ज्यादा मुश्किल बना देगा। आज कुछ निजी काम में बहन का सहयोग उम्मीद से अधिक मिलने वाला है।

कर्क राशि: आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। जीवनसाथी आज कुछ ऐसा काम करेगा, जिसे देखकर आपका मन प्रसन्न हो जायेगा। कारोबार में आज कुछ ऐसी बाते सामने आएंगी जो भविष्य में फायदेमंद रहेगी। किसी नये काम की शुरूआत करना आपके लिये लाभदायक रहेगा। धनलाभ के नये आसार बनेंगे। इस राशि के इंजीनियर्स के लिये आज का दिन अच्छा है।

सिंह राशि: आज आपका दिन शानदार रहने वाला हैं। इस राशि के लोग आज समझदारी से काम करेंगें तो आपको फायदा जरूर होने वाला है। बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। पदोन्नती का अवसर मिलने के आसार बन रहे हैं। आज आपके मन में अधिक पैसे कमाने के नये विचार आयेंगें। मुश्किल परिस्थिति में आज किसी मित्र का सहयोग प्राप्त होगा। जिससे दोस्ती में और भी मजबूती आयेगी।

कन्या राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अगर आज कहीं यात्रा पर जा रहे है तो फायदा होने वाला है। स्वास्थ्य आज थोड़ा डाउन हो सकता है, लेकिन समय से देखभाल करने से जल्द ही ठीक हो जायेगा। अगर आप यात्रा कर रहें है तो सभी जरूरी दस्तावेज साथ रखना न भूलें। आज आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा।

तुला राशि: आज आपका मन अध्यात्म में अधिक लगा रहेगा। आज आप में प्रेरणा अधिक रहेगी नौकरीपेशा वालों आज आपका प्रभाव बढ़ेगा। इस राशि के विवाहित आज समारोह में जायेंगें। जहां किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जिससे मिलकर आपका मन प्रसन्न हो जायेगा। किसी नये व्यापार में माता-पिता की राय कारगर साबित होने वाली है।

वृश्चिक राशि: आज का दिन नई सौगात लेकर आयेगा। कारोबार में वृद्धि के लिये आज का दिन शुभ है। पहले से बनी योजनाओं को लागू करना आज ठीक रहेगा। आस-पास के लोग आज आपसे खुश रहेंगें। पुरानी टेंशन आज खत्म होगी। इस राशि जो लोग पयर्टन के क्षेत्र से जुड़े हैं उन्हें आज आर्थिक लाभ मिलने वाला है। जीवनसाथी आज आपको कोई एसी सलाह देंगे जिससे आपके कार्य आसानी से पूरे होते जायेंगे।

धनु राशि: आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी सेहत पहले से बेहतर होगी। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीज़ें सुधर रही हैं। कॉलेज में दोस्तों के साथ हंसी-मजाक होगा साथ ही बीच में किसी बात को लेकर चर्चा भी हो सकती है। आज खुद को व्यर्थ के कामों से दूर रखें। वरना आपका अधिक समय फिजूल के कामों में निकल जायेगा।

मकर राशि: आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज व्यापारियों के लिए दिन शुभ हैं। धनलाभ होने के आसार नजर आ रहे हैं। साझेदारी करना आज आपके लिये फायदेमंद रहेगा। जमीन से जुड़ा कोई बड़ा मामला सुलझ जायेगा। आज ऑफिस में नई पहल करने के लिये दिन अच्छा है। लाभ होने की सम्भावना बन रही है। करियर में आज कुछ बदलाव होने वाला है, तरक्की के नये रास्ते खुलेंगें।

कुम्भ राशि: आज का दिन नया बदलाव लाने वाला है। प्रॉपर्टी डीलर के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा। अचानक धनलाभ होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। सुबह-सुबह व्यायाम करने से सेहत अच्छी बनी रहेगी। इस राशि की महिलाओं को आज जीवनसाथी से सरप्राइज मिल सकता है, जिससे आपका मन प्रसन्न हो जायेगा। ऑफिस में आज आपकी परफॉरमेंस देखकर बॉस आपकी पदोन्नती पर विचार करेंगे।

मीन राशि:आज का दिन आपके लिये अच्छा रहने वाला है। आज आपके काम में आत्मविश्वास की झलक दिखाई देगी। आज आप दूसरों को अपनी बातों से अपनी ओर आकर्षित कर लेंगे। कोई रूका हुआ काम अपनों की मदद से पूरा हो जायेगा। इस राशि के छात्रों को आज प्रतियोगी परिक्षा से संबंधी कोई शुभ समाचार मिलने वाला है। विवाहित आज जीवनसाथी की बात मानेंगे तो रिश्तों में मिठास बढ़ेगी।

यह सिर्फ धर्मेंद्र प्रधान का मामला नहीं

अजीत द्विवेदी

दुनिया के संभवतः किसी दूसरे देश में नैतिकता की उतनी बात नहीं होती होंगी, जितनी भारत में होती हैं। भारत ने दया, करुणा, सत्य, प्रेम, भाईचारे आदि के जितने प्रतीक गढ़े हैं, दुनिया के किसी और देश में उतने नहीं होंगे। भारत में तो एक सतयुग ही था, जिसमें सत्य हरिश्चंद्र थे। लेकिन यह भी सही है कि सत्य, अहिंसा, प्रेम, भाईचारे, करुणा, दया आदि से जितनी दूरी भारत में है उतनी शायद ही कहीं और होगी। इस पर लंबी बहस हो सकती है। इसलिए उसमें जाने की जरुरत नहीं है। लेकिन दुनिया के जिन देशों में सत्य और नैतिकता आदि का ढोल रोज नहीं बताया जाता है वहां लोग ज्यादा नैतिक होते हैं। वहां लोग नैतिक जिम्मेदारी लेते हैं और अगर कोई अपराध किया है तो उसे भी स्वीकार करके सजा पाते हैं। भारत में कोई नैतिक जिम्मेदारी नहीं लेता है और अपराध करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया व्यक्ति भी अदालत में खड़े होकर कहता है कि वह बेकसूर है और उसका पूरा परिवार और ज्यादातर मामलों में पूरी जाति उसके बचाव में खड़ी होती है।

भारत की राजनीति में भी नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देने का कोई सिद्धांत नहीं रहा है। नैतिक जिम्मेदारी लेकर कुछ मंत्रियों आदि ने जरूर इस्तीफे दिए, जिनकी आज तक चर्चा होती है। लाल बहादुर शास्त्री, माधवराव सिंधिया या नीतीश कुमार का जिक्र किया जाता है। यह संयोग है कि इन तीनों के इस्तीफे ट्रेन दुर्घटना को लेकर हुए थे। इनके रेल मंत्री रहते ट्रेन दुर्घटनाएं हुईं और उसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने इस्तीफा दिया। यह अलग बात है कि रेल मंत्रालय में विफल होने के बाद भी इन सभी लोगों को दूसरे मंत्रालयों में अहम जिम्मेदारी मिली। लाल बहादुर शास्त्री तो बाद में प्रधानमंत्री बने। बहरहाल, भारत में गंभीर से गंभीर विफलता या आर्थिक अपराध में शामिल होने के आरोपों के बाद भी इस्तीफा कराना बड़ा मुश्किल होता है। आर्थिक अपराध के मामलों में तो अब गिरफ्तार होकर जेल जाने के बाद भी नेता इस्तीफा नहीं देते हैं। दिल्ली का मुख्यमंत्री रहते अरविंद केजरीवाल ने कमाल की मिसाल बनाई। वे कई महीने जेल में रहे और उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया। हेमंत सोरेन ने थोड़ी शर्म दिखाई और गिरफ्तारी से चंद मिनट पहले इस्तीफा दे दिया। अगर गिरफ्तारी की बाध्यता नहीं होती तो वे भी इस्तीफा नहीं देते।

सवाल है कि ऐसा क्यों होता है कि भारत में केंद्र या राज्य का मंत्री या मुख्यमंत्री किसी भी विवाद में फंसने या अपनी कैसी भी विफलता के बाद इस्तीफा नहीं देते हैं? इसे दो पहलुओं से देख सकते हैं। एक आपराधिक मामला और दूसरा

विफलता व नैतिकता का मामला। जहां तक आपराधिक मामलों में फंसने पर इस्तीफे का सवाल है तो वह इसलिए आसानी से नहीं होता है क्योंकि भारत में पहले से जिनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं ऐसे, सैकड़ों लोग सांसद और विधायक चुने गए हैं। सवाल है जब गंभीर आपराधिक मामले दर्ज होने और उनकी जानकारी सार्वजनिक होने के बावजूद जनता उनको चुन देती है तो चुने जाने के बाद किए गए किसी अपराध के लिए वे क्यों इस्तीफा देंगे? जब जनता ने उनको सांसद चुन दिया है तो वे केंद्र में मंत्री बनने के योग्य हैं और जनता ने विधायक चुना है तो वे राज्य में मंत्री और मुख्यमंत्री बनने के योग्य हैं। ऐसे में उनके और जनता के बीच में नैतिकता की बात कहां से आ गई! उनकी आपराधिक पृष्ठभूमि जानने के बाद भी अगर जनता ने चुना है तो वे वैसे ही किसी अन्य अपराध के मामले में भी क्यों इस्तीफा देंगे? तभी भारत में ऐसे मामलों में भी जोर जबरदस्ती ही इस्तीफा होता है। गिरफ्तार होने या गिरफ्तारी की नौबत आने या पार्टी व सरकार के प्रमुख की ओर से राजनीतिक नुकसान की आशंका देख कर दबाव डालने के बाद ही इस्तीफा होता है।

अब रही जिम्मेदारी के निर्वहन में विफलता की बात तो उसमें भी आजादी के बाद से ही यह परंपरा चलती आ रही है कि इस्तीफा जोर जबरदस्ती ही होगा। ध्यान रहे भारत में पहला हाई प्रोफाइल इस्तीफा वीके कृष्ण मेनन का हुआ था। चीन के साथ युद्ध में भारत की हार के बाद तत्कालीन रक्षा मंत्री कृष्ण मेनन पर दबाव था कि वे इस्तीफा दें। लेकिन वे इस्तीफा देने को तैयार नहीं थे। जब जन दबाव बहुत बढ़ा तो अंत में उन्होंने इस्तीफा दिया। हालांकि जयराम रमेश ने उनके जीवन पर एक किताब लिखी है, ‘अ चेकर्ड ब्रिलियंसः द मेनी लाइव्स ऑफ वीके कृष्ण मेनन’, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि कृष्ण मेनन तो बहुत पहले इस्तीफा देने को तैयार थे लेकिन उन्हें रोका गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू मानते थे कि चीन के साथ युद्ध में पराजय का मेनन से कोई संबंध नहीं है। फिर वे क्यों इस्तीफा देंगे।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर चल रही बातें सुन कर क्या कृष्ण मेनन के इस्तीफे की कहानी से समानता नहीं दिखती है? ध्यान रहे पिछले कई दिनों से कहा जा रहा है कि धर्मेंद्र प्रधान तो बहुत पहले इस्तीफा देना चाहते थे। लेकिन प्रधानमंत्री को लगता था कि पेपर लीक होने से उनका कोई लेना देना नहीं है, बल्कि उन्होंने तो पेपर लीक होने के तुरंत बाद सक्रियता दिखाई। सारे आरोपी पकड़े गए और रिकॉर्ड समय में दोबारा परीक्षा करा ली गई ताकि छात्रों का एक साल बरबाद न हो। इसके बाद भी उनका इस्तीफा हुआ तो उसका कारण यही है कि जन दबाव बहुत बढ़ गया यानी जोर जबरदस्ती से ही उनका इस्तीफा हुआ।

सोचें, पेपर लीक कितनी बड़ी विफलता है! एक मंत्री के कार्यकाल में दो बार नीट यूजी जैसी विशाल अखिल भारतीय परीक्षा के पेपर लीक हो जाएं तो उससे बड़ी विफलता क्या हो सकती है? आश्चर्य यह है कि 2024 के शुरू में बजट सत्र में पेपर लीक का कठोर कानून बना था और मई में पेपर लीक हो गया, उसके बाद भी जून में जब नई सरकार बनी तो फिर धर्मेंद्र प्रधान को शिक्षा मंत्री बना दिया गया! फिर 2026 के मई में नीट यूजी की परीक्षा का पेपर लीक हो गया और धर्मेंद्र प्रधान कोई जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं थे।

यह सिर्फ धर्मेंद्र प्रधान का मामला नहीं है। यह भारत की राजनीतिक और सामाजिक व्यवस्था का मामला है, जहां हर व्यक्ति चाहता है कि जवाबदेही और नैतिकता का तकाजा दूसरे पर लागू हो। अपनी जवाबदेही और नैतिकता का ध्यान किसी को नहीं रहता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

तन्वी शर्मा कोरिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में, अब रक्षिता रामराज से होगी भिड़ंत

एजेंसी, आसन (दक्षिण कोरिया)

भारत की 17 वर्षीय उभरती बैडमिंटन स्टार तन्वी शर्मा ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए कोरिया मास्टर्स 2026 के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। गुरुवार को खेले गए दूसरे दौर के मुकाबले में तन्वी ने हमवतन श्रियांशी वालिशेट्टी को 21-16, 17-21, 21-13 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना एक अन्य भारतीय खिलाड़ी रक्षिता श्री रामराज से होगा, जिन्होंने जापान की मानामी सुइजू को 22-20, 21-10 से मात दी।

पिछले सप्ताह ताइपे ओपन सुपर-300 का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली 17 वर्षीय तन्वी ने एक बार फिर अपने जुझारू खेल का परिचय दिया। इस महीने भारत में होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप से पहले उन्होंने लगातार जीत का सिलसिला जारी रखते हुए अपनी दावेदारी मजबूत की। ऑल इंडिया मुकाबले के पहले गेम में तन्वी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह शुरुआती अंकों में पिछड़ गईं। हालांकि, तेज मूवमेंट और आक्रामक स्ट्रोक्स के दम पर उन्होंने शानदार वापसी की और लगातार महत्वपूर्ण अंक हासिल करते हुए पहला गेम 21-16 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में श्रियांशी वालिशेट्टी ने दमदार वापसी की। उन्होंने मध्यांतर तक 11-6 की बढ़त बना ली और लगातार आक्रामक खेल दिखाया। तन्वी ने बीच में अंतर कम करने की कोशिश की, लेकिन श्रियांशी ने संयम बनाए रखते हुए दूसरा गेम 21-17 से जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। निर्णायक गेम में तन्वी पूरी तरह हावी रहीं। उन्होंने शुरुआत से ही बढ़त बनाई और पूरे गेम में श्रियांशी को वापसी का मौका नहीं दिया। विश्व रैंकिंग में 30वें स्थान पर काबिज तन्वी ने शानदार नियंत्रण बनाए रखते हुए तीसरा गेम 21-13 से जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली।

यूपी टी20 लीग से युवा खिलाड़ियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ी : आयुष लालवानी

एजेंसी, कानपुर

आगामी यूपी टी20 लीग 2026 के लिए कानपुर सुपरस्टार्स ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। टीम 15 अगस्त को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में नोएडा किंग्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। टूर्नामेंट का दूसरा चरण 28 अगस्त से कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि फाइनल 6 सितंबर को होगा। खिलाड़ियों की नीलामी के बाद फ्रेंचाइजी के मालिक आयुष लालवानी ने टीम को लेकर संतोष जताते हुए कहा कि प्रबंधन अपनी रणनीति के अनुसार संतुलित टीम बनाने में सफल रहा है। लालवानी ने कहा, "हम नीलामी से बेहद खुश हैं। हमारा लक्ष्य बल्लेबाजी, गेंदबाजी और ऑलराउंडरों के बीच संतुलित टीम तैयार करना था और मुझे लगता है कि हम इसमें सफल रहे हैं। हमारे पास मजबूत और संतुलित टीम है।" उन्होंने कहा कि टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। बल्लेबाजी में समीर रिजवी टीम की बड़ी ताकत होंगे, जबकि तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी मोहसिन खान संभालेंगे। अनुभवी खिलाड़ियों की भूमिका पर उन्होंने कहा, "हमारी टीम में कर्ण शर्मा और मोहम्मद अमान जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। अमान भारत की अंडर-19 टीम की कप्तानी भी कर चुके हैं। उनका अनुभव और नेतृत्व युवा खिलाड़ियों के विकास में अहम भूमिका निभाएगा और टीम को मजबूती देगा।" यूपीसीए स्पीड हंट पहल की सराहना करते हुए लालवानी ने कहा, "यह शानदार पहल है। इससे प्रदेश के प्रतिभाशाली तेज गेंदबाजों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। यूपी टी20 लीग उन्हें बड़ा मंच देती है, जहां से वे आईपीएल और भारतीय टीम तक पहुंचने का सपना पूरा कर सकते हैं। ऐसी पहलें प्रदेश के क्रिकेट के भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।" राज्य स्तरीय टी20 लीगों के महत्व पर उन्होंने कहा, "इन लीगों ने खिलाड़ियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा पैदा की है। आईपीएल और भारतीय टीम में अवसर सीमित हैं, लेकिन ऐसे टूर्नामेंट युवा खिलाड़ियों को लगातार बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्हें विश्वास रहता है कि एक शानदार सीजन उनके लिए बड़े अवसरों के दरवाजे खोल सकता है।

अगरकर के नाम है दर्ज हैं किंग पेयर जैसा दुर्लभ रिकार्ड

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर आजकल अपने चयन संबंधी फैसलों को लेकर सुर्ख़ियों में हैं। अगरकर अपने समय के एक अच्छे ऑलराउंडर माने जाते रहे है हालांकि उनके नाम एक ऐसा अनचाह रिकार्ड किंग पेयर भी दर्ज है। किंग पेयर रिकार्ड बेहद दुर्लभ माना जाता है और कुछ ही खिलाड़ियों से जुड़ा है।किंग पेयर क्रिकेट की दुनिया का एक ऐसा तकनीकी शब्द है जो टेस्ट मैच में एक बल्लेबाज के लिए सबसे शर्मनाक पलों में से एक को दिखात है। किंग पेयर उस बल्लेबाज को दिया जाता है जो किसी एक टेस्ट मैच की दोनों पारियों में अपनी पहली ही गेंद पर बिना कोई रन बनाए आउट (गोल्डन डक) हो जाये। ये इसलिए बेहद दुर्लभ माना जाता है, क्योंकि एक ही मैच में दो बार पहली गेंद पर शून्य पर कुछ ही खिलाड़ी आउट हुए हैं। ये किसी भी बल्लेबाज के लिए हतोत्साहित करने वाला अनुभव होता है। यह इस बात का प्रतीक है कि बल्लेबाज दोनों बार अपनी टीम के लिए खाता भी नहीं खोल पाया।

गौरतलब है कि अगरकर के साथ यह घटना साल 1999 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में खेले गए एक टेस्ट मैच के दौरान हुई थी। तब उस मैच में अगरकर जब भारतीय टीम के लिए बल्लेबाजी करने उतरे, तो दोनों ही पारियों में वह पहली गेंद पर ही पेवेलियन लौट गये। इससे उनके नाम किंग पेयर जैसा अनचाहा रिकार्ड जुड़ गया।

अल्काराज सिनसिनाटी खिताब से बाहर रहेंगे, अमेरिकी ओपन से करेंगे वापसी

एजेंसी, सिनसिनाटी। विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी स्पेन के टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज 13 अगस्त से शुरु हो रहे सिनसिनाटी ओपन से बाहर रहेंगे। अल्कराज ने ये फैसला अब तक पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण उठाया है। अल्काराज अभी तक अपनी दाईं कलाई की पुरानी चोट से नहीं उबर पाये हैं। अब वह अमेरिकी ओपन से ही वापसी करेंगे। सिनसिनाटी ओपन ओपन को अमेरिकी ओपन से पहले अभ्यास के लिए एक अच्छा टूर्नामेंट माना जाता है जिससे अब वह वंचित रह जाएंगे। अल्काराज की यह चोट अप्रैल से ही उन्हें परेशान कर रही है और बावजूद इसके कि वह कुछ समय से कोर्ट पर अभ्यास करते दिख रहे थे, उनकी फिटनेस इस महत्वपूर्ण हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट सिनसिनाटी ओपन के लिए पर्याप्त नहीं पायी गई। इस खिलाड़ी ने इस साल काफी अच्छा प्रदर्शन किया है, जिसमें विंबलडन खिताब के साथ ही विश्व के नंबर एक स्थान पर पहुंचना शामिल है। गौरतलब है कि सिनसिनाटी ओपन, जिसे वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन के नाम से भी जाना जाता है, एटीपी मास्टर्स 1000 श्रेणी का एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है। यह अमेरिकी ओपन से ठीक पहले आयोजित होता है और खिलाड़ियों को न्यूयॉर्क में होने वाले अंतिम ग्रैंड स्लैम के लिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने का अच्छा अवसर देता है।

जूनियर एशिया कप के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम घोषित, शिलेइमा चानू कप्तान

एजेंसी, नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने गुरुवार को एएचएफ जूनियर एशिया कप-2026 के लिए भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी। यह टूर्नामेंट 30 अगस्त से 13 सितंबर तक चीन के मोकी में खेला जाएगा। टीम में 18 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जबकि दो खिलाड़ियों को वैकल्पिक (अल्टरनेट) के रूप में रखा गया है। टीम की कप्तानी मिडफील्डर खैदेम शिलेइमा चानू करेंगी। मुख्य कोच टिम व्हाइट के मार्गदर्शन में टीम ने पिछले कुछ महीनों से गहन तैयारी की है। इस वर्ष टीम की कमान संभालने वाले व्हाइट की देखरेख में खिलाड़ियों ने अपने खेल में लगातार सुधार किया है। महाद्वीपीय टूर्नामेंट की तैयारी के तहत भारतीय जूनियर महिला टीम हाल ही में यूनाइटेड किंगडम के एक्सपोजर दौरे से लौटी है। इस दौरे में खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों का अनुभव मिला, जिससे जूनियर एशिया कप की तैयारियों को और मजबूती मिली। कोच टिम व्हाइट ने टीम की घोषणा पर कहा, "मुझे गर्व है कि इन युवा खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत, समर्पण और दृढ़ संकल्प के दम पर टीम में जगह बनाई है। पिछले कुछ महीनों में उन्होंने अपने खेल के हर पहलू में सुधार के लिए अथक मेहनत की है और मैंने उन्हें व्यक्तिगत और टीम दोनों रूपों में आगे बढ़ते देखा है।"

बिजनेस

एमवी इलेक्ट्रोसिस्टम्स की स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत, निवेशकों को बंपर मुनाफा

एजेंसी, नई दिल्ली

रेलवे रोलिंग स्टॉक में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रिकल और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स इक्विपमेंट के डिजाइन, डेवलपमेंट, असेंबली और मैन्युफैक्चरिंग का काम करने वाली कंपनी एमवी इलेक्ट्रोसिस्टम्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 425 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 22.12 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 519 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 22.35 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 520 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर कुछ देर में ही 613 रुपये के स्तर पर पहुंच गए। दोपहर एक बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 600.25 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 175.25 रुपये यानी 41.24 प्रतिशत का फायदा हो गया था। एमवी इलेक्ट्रोसिस्टम्स का 290 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 जुलाई से तीन अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 200.66 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 96.13 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 397.99 गुना सब्सक्रिप्शन आया था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 218.25 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाले 290 करोड़ रुपये के कुल 68,23,528 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नए पावर इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट के लिए रिसर्च, डिजाइन और डेवलपमेंट एक्टिविटीज में निवेश करने में, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। एमवी इलेक्ट्रोसिस्टम्स की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 56 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 1.40 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 12.63 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हो गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 50.57 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 64.64 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी की राजस्व प्राप्ति घट कर 49.79 करोड़ रुपये रह गई। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 27.59 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 27.50 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ उछल कर 49.89 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 16.53 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 17.91 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का नेटवर्थ उछल कर 62.57 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें, तो इस अवधि में कंपनी को इस मोर्चे पर उतार चढ़ाव का सामना करना पड़ा। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 9.15 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में घट कर 8.77 करोड़ रुपये हो गया।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी ने भी लगाई छलांग

एजेंसी, नई दिल्ली । सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ है। सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं के भाव आज चढ़े हुए हैं। भाव बढ़ने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 1,620 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,770 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह हाजिर चांदी ने भी आज 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक जोरदार छलांग लगाई है। कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,45,760 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,33,610 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,33,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी होने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,40,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,45,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला एलएपीएल ऑटोमोटिव का आईपीओ, 13 अगस्त को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑटो कंपोनेंट्स बनाने वाली कंपनी एलएपीएल ऑटोमोटिव का 32.40 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 10 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 11 अगस्त को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 12 अगस्त को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 13 अगस्त को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद पहले दिन शाम 3:30 बजे तक ये आईपीओ 3.57 गुना सब्सक्राइब हो चुका था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 88 रुपये से लेकर 94 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,25,600 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 34,46,400 नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.28 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.29 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.42 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.01 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए जीवाईआर कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि मांशीतला सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं, गिरिराज स्टॉक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड और मानसी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के मार्केट मेकर हैं। एलएपीएल ऑटोमोटिव की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2.17 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 5.03 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 8.63 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 61.03 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 67.07 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 94.32 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था।

सरकार कोयला क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए उठा रही ठोस कदमः जी. किशन रेड्डी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार कोयला क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठा रही है। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कोयला मंत्रालय से जुड़ी सांसदों की सलाहकार समिति की बैठक के दौरान ये बात कही। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने मंत्रालय से जुड़ी सांसदों की सलाहकार समिति की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। रेड्डी ने कहा कि वाणिज्यिक कोयला खनन पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए अनेक सुधारों का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने सदस्यों को सूचित किया कि वाणिज्यिक कोयला खदानों की नीलामी के 14 चरण पूरे हो चुके हैं और 15वां चरण वर्तमान में प्रक्रियाधीन है। उन्होंने बताया कि वाणिज्यिक कोयला खनन ने कोयला क्षेत्र को अधिक प्रतिस्पर्धी और कुशल बनाया है। उन्होंने कहा कि पारदर्शी नीलामी प्रक्रिया ने प्रतिस्पर्धा और निवेश को बढ़ावा देकर भारत के कोयला क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन किया है। नीलामी प्रक्रिया का जिक्र करते हुए रेड्डी ने कहा कि कोयला मंत्रालय उद्योग निकायों और निजी कंपनियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर जागरूकता बढ़ाने और व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए रोड शो और हितधारक परामर्श आयोजित कर रहा है। मंत्रालय ने बताया कि इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय कोयला और खान मंत्री ने की। समिति के सदस्यों के अलावा, कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और कोयला क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम क्षेत्र के सदस्य भी इस बैठक में उपस्थित थे।

भारत की गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता 300 गीगावाट के पार हुई : प्रह्लाद जोशी

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने गुरुवार को कहा कि भारत की गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन क्षमता 300 गीगावाट के आंकड़े को पार कर गई है। उन्होंने कहा कि देश 2030 तक 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने नई दिल्ली में आयोजित 7वें सीआईआई अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी को संबोधित करते हुए कहा कि जनवरी से लेकर जून के बीच केवल छह महीने में गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन की क्षमता में 30.58 गीगावाट की वृद्धि हुई है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 25 फीसदी अधिक है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पिछले दो वर्षों में भारत ने 90 गीगावाट अक्षय ऊर्जा या गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित क्षमता जोड़ी है। जोशी ने उद्योग जगत के दिग्गजों से अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) में अधिक निवेश करने का भी आग्रह किया। जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत देश में 50 लाख से अधिक घरों का लक्ष्य हासिल किया जा चुका है। इस योजना के तहत हर 6 दिनों में करीब एक लाख नए घर जुड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने (रूफटॉप सोलर) की गति में पिछले नौ महीनों में 3.2 गुना से अधिक वृद्धि हुई है।

वनइंडिग टेक की स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री, मजबूत लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

देश मे सोलर पावर प्रोजेक्ट्स पर काम करने वाली कंपनी वनइंडिग टेक्नोलॉजीज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने जोरदार शुरुआत की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 96 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 25 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 120 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयरों के भाव में तेजी का रुख बन गया। थोड़ी देर में ही ये शेयर 126 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों प्रति शेयर 30 रुपये यानी 31.25 प्रतिशत का फायदा हो गया। वनइंडिग टेक का 27.65 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 जुलाई से तीन अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.73 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.05 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.40 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.84 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 28.80 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। वनइंडिग टेक्नोलॉजीज की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक पिछले दो वित्त वर्ष को दौरान इसकी वित्तीय सेहत मजबूत हुई है।

अभिनय को लेकर बहुत लालची हूं,

जैस्मिन भसीन ने अपने जुनून पर की बात

टीवी जगत से लेकर क्षेत्रीय सिनेमा तक अपनी खास पहचान बना चुकीं लोकप्रिय अभिनेत्री जैस्मिन भसीन इन दिनों अपने करियर के सबसे व्यस्त और रोमांचक दौर से गुजर रही हैं। एक तरफ जहाँ वे स्टंट-आधारित बहुचर्चित रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में अपनी शारीरिक और मानसिक क्षमताओं को परखते हुए रोंगटे खड़े कर देने वाले टास्क करती नजर आ रही हैं, वहीं दूसरी तरफ वे अपनी आगामी पंजाबी फिल्म 'जुदा' की रिलीज की तैयारियों में पूरी तरह जुटी हुई हैं। टेलीविजन के डेली सोप्स से लेकर ओटीटी, रियलिटी शो और पंजाबी सिनेमा तक का उनका यह सफर उनकी बहुमुखी प्रतिभा को साबित करता है।

अलग-अलग भाषाओं, विधाओं और माध्यमों में एक साथ काम करने के अपने इस समृद्ध अनुभव पर जैस्मिन ने दिल खोलकर बात की। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभिनय उनके लिए महज आजीविका का जरिया या एक पेशा भर नहीं है, बल्कि यह उनका सबसे बड़ा जुनून और जीवन का मुख्य उद्देश्य है। यही वजह है कि वे खुद को किसी एक निश्चित दायरे या माध्यम में बांधकर रखने के बजाय हर नए मौके को सहर्ष स्वीकार करना चाहती हैं और अलग-अलग भूमिकाओं के जरिए खुद को लगातार चुनौती देना चाहती हैं।

अभिनय के प्रति जुनून और सीखने की भूख: अपने करियर और अभिनय के प्रति अपनी इस निष्ठा के बारे में बात करते हुए जैस्मिन भसीन ने कहा, "मैंने हमेशा यह माना है कि अभिनय को लेकर मैं बेहद लालची हूँ, क्योंकि यह मेरा सबसे बड़ा प्यार और मेरा पहला जुनून है। एक कलाकार के तौर पर जब भी मेरे सामने कोई नया प्रस्ताव आता है, तो मेरी पहली कोशिश यही होती है कि मैं उसे पूरी गहराई से तलाशूँ और अपना सौ प्रतिशत योगदान दूँ। मेरे लिए यह कभी मायने नहीं रखता कि काम किस भाषा का है या किस प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो रहा है। मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने यह बात रखती है कि क्या उस किरदार में मुझे कुछ नया करने, कुछ अलग सीखने और खुद को एक नए रूप में साबित करने का मौका मिल रहा है।" जैस्मिन आगे कहती हैं, "मैं खुद को बेहद किस्मत वाला और ईश्वर की आभारी मानती हूँ कि मुझे अलग-अलग भाषाओं और माध्यमों में काम करने के इतने बेहतरीन अवसर मिल रहे हैं। हिंदी बेल्ट के दर्शकों से लेकर पंजाबी सिनेमा के शौकीनों तक, और फिर रियलिटी टीवी के जरिए हर घर के दर्शकों से जुड़ना मेरे लिए बेहद खास और संजीदा अनुभव है। हर माध्यम के दर्शकों की उम्मीदें अलग होती हैं और उनकी इस उम्मीद पर खरा उतरना ही एक सच्चे कलाकार की पहचान है।"

'खतरों के खिलाड़ी 15' से लेकर पंजाबी फिल्म 'जुदा' तक का सफर: गौरतलब है कि जैस्मिन भसीन ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत दक्षिण भारतीय फिल्मों से की थी, जिसके बाद वे 'टशन-ए-इश्क', 'दिल से दिल तक' जैसे सुपरहिट टीवी धारावाहिकों के जरिए घर-घर में लोकप्रिय हुईं। इसके बाद 'बिग बॉस' जैसे शो ने उनकी लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा किया। वर्तमान में 'खतरों के खिलाड़ी 15' में उनके निडर और साहसी अंदाज को दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। शो में जिस तरह से वे अपने डर का सामना कर रही हैं, उसने उनके प्रशंसकों को बेहद प्रभावित किया है। वहीं, दूसरी ओर उनकी आगामी पंजाबी फिल्म 'जुदा' को लेकर भी पंजाबी सिनेमा जगत में जबरदस्त हलचल है। फिल्म का कंटेंट और जैस्मिन का किरदार बेहद सशक्त बताया जा रहा है। इंडस्ट्री के जानकारों का भी मानना है कि जैस्मिन का यह बहुमुखी दृष्टिकोण उन्हें उनके समकालीनों से काफी अलग बनाता है। बिना किसी खास गॉडफादर के इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने वाली जैस्मिन ने यह साबित कर दिया है कि अगर लगन और मेहनत सच्ची हो, तो भाषा या प्लेटफॉर्म कभी भी प्रतिभा के आड़े नहीं आते।

चुनौतियों से भरा सफर और खुद को साबित करने की होड़

एक ही समय पर इतने अलग-अलग प्रोजेक्ट्स को संभालना किसी भी कलाकार के लिए बेहद थकाऊ और मानसिक दबाव वाला हो सकता है। रियलिटी शो की कठिन शारीरिक माँगों और फिल्मों की शूटिंग के कड़े शेड्यूल के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। इस व्यस्त दिनचर्या पर मुस्कुराते हुए जैस्मिन कहती हैं, "एक साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम करना और लगातार यात्राएँ करना निश्चित रूप से आसान नहीं होता। यह सफर बहुत ज्यादा व्यस्तताओं और जिम्मेदारियों से भरा है, लेकिन मुझे इससे रत्ती भर भी शिकायत नहीं है। सच कहूँ तो मैं चाहती ही यही हूँ कि मेरे हर नए दिन की शुरुआत एक नई चुनौती के साथ हो। जब आप शांत बैठकर एक ही तरह का काम करने लगते हैं, तो एक कलाकार के तौर पर आपका विकास रुक जाता है। एक एक्टर के तौर पर मैं कभी भी रुकना या संतुष्ट होकर बैठना नहीं चाहती। मैं हमेशा खुद को आगे बढ़ाना चाहती हूँ, अपनी सीमाओं को तोड़ना चाहती हूँ और हर दिन कुछ नया सीखना चाहती हूँ।"

भविष्य की योजनाएं और दर्शकों का प्यार

अपने प्रशंसकों का शुक्रिया अदा करते हुए जैस्मिन ने कहा कि दर्शकों का प्यार ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। जब दर्शक उनके काम को सराहते हैं, तो उनकी मेहनत सफल हो जाती है। वे आने वाले समय में भी कुछ ऐसे ही लीक से हटकर प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने की योजना बना रही हैं, जो न केवल उनका मनोरंजन करें बल्कि उन्हें एक नए अवतार में पेश भी करें। बहुमुखी अभिनय, कड़ी मेहनत और निरंतर कुछ नया करने की यही जिद जैस्मिन भसीन को आज के दौर की सबसे लोकप्रिय और विश्वसनीय अभिनेत्रियों की कतार में मजबूती से खड़ा करती है।

बिग बॉस 20 प्रोमो रिलीज: फैंस को सोच में डाल गए सलमान खान, बोले- जो करण अर्जुन में हुआ था, वो अब...

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान एक बार फिर अपने टीवी रियलिटी शो बिग बॉस से धमाका करने आ रहे हैं. बॉस सीजन 20 का टीजर जारी हो गया है. जियो-हॉटस्टार ने आज सोशल मीडिया पेज पर बिग बॉस 20 का टीजर रिलीज कर दिया है. बिग बॉस 20 शुरू होने में अब एक महीना बचा है और इससे पहले शो के टीजर ने धमाका मचा दिया है. सलमान खान ने टीजर में कुछ ऐसा बोला है, जिसे जानने के लिए सब बेताब है. प्रोमो में सलमान ने फैंस ऐसा ट्विस्ट दिया है कि लोग अब जानने की कोशिश में लगे हैं आखिर शो में ऐसा क्या होगा. बिग बॉस 20 के निर्माताओं ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर सलमान खान और घोड़े को दिखाते हुए एक नया प्रोमो शेयर किया. कैप्शन में लिखा है, एक से भले दो.. बिग बॉस 6 सितंबर से जियो हॉटस्टार और कलर्स टीवी पर शुरू हो रहा है. इस वीडियो में सलमान खान काले रंग की पैंट, काली टी-शर्ट और बिना आस्तीन की काली जैकेट पहने दमदार एंट्री करते नजर आ रहे हैं. वीडियो में एक्टर घोड़े को अस्तबल से बाहर लाते हुए कहते हैं, जो करण अर्जुन में हुआ था, वो अब बिग बॉस में होगा. थतास्टु. बिग बॉस 20 के बारे में बात करते हुए सलमान खान ने कहा था, बिग बॉस का हर सीजन एक नया खेल, नए समीकरण और अनएक्सपेक्टेड मोड़ लेकर आता है. लेकिन इस सीजन में एक ऐसा रहस्य छिपा है, जो इसे पहले देखे गए किसी भी सीजन से अलग बनाता है. पहला संकेत पहले ही मिल चुका है, बस आपको इसे दो बार देखना होगा. टीजर तो बस शुरुआत है, और मैं दर्शकों के बिग बॉस हिंदी सीजन 20 शुरू होने पर सुरागों को जोड़ने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं. बिग बॉस 20 का प्रोमो ऑनलाइन वायरल होते ही, नेटिजन्स सलमान और मेकर्स के करण अर्जुन ट्विस्ट के पीछे के मकसद का अंदाजा लगाने में जुट गए हैं. कुछ फैंस का मानना है कि शाहरुख खान रियलिटी शो में मातृभूमि एक्टर सलमान खान के साथ नजर आएंगे, वहीं कुछ का अनुमान है कि यह शो के पुराने कंटेस्टेंट्स की वापसी (पुनर्जन्म) हो सकती है. सलमान और शाहरुख खान की बात करें तो, दोनों ने पहली बार 1995 में आई पुनर्जन्म पर आधारित एक्शन ड्रामा फिल्म करण अर्जुन में एक साथ काम किया था. इसके बाद, वे कुछ कुछ होता है और हम तुम्हारे हैं सनम में भी साथ नजर आए थे. तब से, उन्होंने एक-दूसरे की फिल्मों जैसे टाइगर 3, पठान, जीरो और ट्यूबलाइट में कैमियो किया है. बिग बॉस 20 का प्रीमियर 6 सितंबर को जियो हॉटस्टार और कलर्स टीवी पर होगा. पिछले कुछ सीजन के उलट, इस साल सेट का डिजाइन फिल्म निर्माता ओमंग कुमार के बजाय आर्ट डायरेक्टर कंचन और रूपाली ने किया है. हालांकि अभी तक कंटेस्टेंट्स के नाम की लिस्ट सामने नहीं आई है, लेकिन माही विज, गीता बसरा, जन्नत जुबैर, फैसल शेख (मिस्टर फैसु), सुनील पाल, निया शर्मा, पर्ल वी पुरी और शोविक चक्रवर्ती जैसे सेलेब्स के नाम संभावित कंटेस्टेंट के तौर पर सामने आ रहे हैं।

टॉक्सिक : ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर 8 अगस्त को होगा रिलीज़

भारतीय सिनेमा प्रेमियों के बीच अत्यधिक उत्सुकता जगाने वाली फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स का इंतज़ार अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुँच गया है। रॉकिंग स्टार यश की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के निर्माताओं ने हाल ही में एक नया और दमदार पोस्टर जारी करते हुए घोषणा की है कि फिल्म का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर 8 अगस्त, 2026 को रिलीज़ किया जाएगा। यह पोस्टर फिल्म के अब तक के अभियान की रहस्यमयी प्रकृति को आगे बढ़ाता है, जिसमें यश के किरदार राया की एक धुंधली सिल्हूट दिखाई गई है। राया के हाथ में टॉमी गन है, जो फिल्म की विशाल, कच्चे और एक्शन से भरपूर दुनिया की झलक देती है, लेकिन कहानी के मुख्य पत्ते अब भी नहीं खोलती। इस नए पोस्टर ने भी पिछले सभी टीज़र और फर्स्ट लुक की तरह ही सोशल मीडिया पर ज़बरदस्त हलचल पैदा कर दी है। दर्शक और प्रशंसक कहानी के संभावित ट्विस्ट और राया के जटिल सफ़र को लेकर विभिन्न अटकलें लगा रहे हैं, जिससे फिल्म के प्रति जिज्ञासा और बढ़ गई है। ट्रेलर का भव्य अनावरण बेंगलुरु में होगा, जो न केवल यश का गृह राज्य है, बल्कि फिल्म के प्रोडक्शन हाउस केवीएन प्रोडक्शंस का भी गढ़ है, जिससे यह आयोजन और भी विशेष हो जाएगा। 8 अगस्त की तारीख़ को चुनने के पीछे एक और महत्वपूर्ण वजह हैः इसी दिन टॉक्सिक की शूटिंग को पूरे दो साल पूरे हो जाएंगे, जो इस परियोजना के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। फिल्म के निर्माण की शुरुआत से ही, हर छोटी झलक ने राज़ और सस्पेंस बनाए रखने की रणनीति अपनाई है। शानदार दृश्यों और रहस्यमय कल्पनाओं के माध्यम से, दर्शकों को लगातार टॉक्सिक की दुनिया के टुकड़ों को एक साथ जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। अब, यह ट्रेलर उस अधूरी तस्वीर का अंतिम और सबसे महत्वपूर्ण टुकड़ा साबित होगा, जो दर्शकों को फिल्म के भव्य पैमाने, उसके जटिल किरदारों, उसकी अनूठी दुनिया और इस साल की सबसे रहस्यमयी कहानियों में से एक की पहली पूर्ण झलक प्रदान करेगा। यह ट्रेलर न केवल उत्सुकता को शांत करेगा बल्कि एक ऐसे सिनेमाई अनुभव का वादा भी करेगा जो दर्शकों को अपनी सीट से बाँधे रखेगा। गीतू मोहनदास के कुशल निर्देशन में बनी टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स में रॉकिंग स्टार यश के अलावा नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी जैसी प्रतिभाशाली अभिनेत्रियाँ महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नज़र आएंगी, जो फिल्म की स्टारकास्ट को और भी मज़बूत बनाती हैं। कन्नड़ और अंग्रेज़ी में एक साथ शूट की गई यह फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम सहित कई भारतीय भाषाओं में भी रिलीज़ की जाएगी, जिससे इसकी पहुँच पूरे देश और दुनियाभर के दर्शकों तक सुनिश्चित होगी। केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले निर्मित यह बहुप्रतीक्षित फ़िल्म 26 अगस्त, 2026, बुधवार को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी, जिसके लिए अभी से उत्साह का माहौल बना हुआ है।

राम कपूर ने किसी को असहज महसूस नहीं कराया, किसिंग विवाद पर बोलीं आकांक्षा चौधरी

ने नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहे रिएलिटी शो लॉक अप 2 से निकलने के बाद भी आकांक्षा चौधरी चर्चा में बनी हुई हैं। इस बीच उन्होंने शो में महिला कंटेस्टेंट्स के माथे और गालों पर किस करने की राम कपूर की आदत को लेकर मचे विवाद के बीच उनका समर्थन किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि उन्होंने कभी भी राम कपूर को किसी को असहज महसूस कराते हुए नहीं देखा। आकांक्षा ने कहा कि वह समझती हैं कि इंडस्ट्री में ऐसी घटनाएं होती हैं, लेकिन राम कपूर की नीयत कभी भी गलत नहीं थी। उन्होंने कहा, जाहिर है, मैं मानती हूं कि इंडस्ट्री और बाहर भी ऐसा बहुत होता है। मैं उस बारे में कुछ नहीं कह रही। लेकिन क्योंकि मैं शो में थी और राम सर से रोज बात करती थी। सीक्रेट रूम में भी मैंने श्रेया की राम सर के बारे में कही हर बात सुनी थी। असल में ऐसा कुछ नहीं था। राम सर ने किसी को भी असहज महसूस नहीं कराया। घर के अंदर हुई एक बातचीत को याद करते हुए उन्होंने बताया कि श्रेया कालरा ने एक बार शिल्पा शिंदे के सामने कहा था कि राम कपूर उन्हें उनके अपने पिता से भी ज्यादा किस करते हैं। उन्होंने कहा, जब मैं सीक्रेट रूम में थी, तो मुझे लगता है कि श्रेया ने शिल्पा शिंदे के सामने कहा था कि राम सर मुझे मेरे पिता से भी ज्यादा किस करते हैं। लेकिन तब शिल्पा जी ने कहा, नहीं, नहीं, वह ऐसा नहीं करते हैं। आकांक्षा ने आगे कहा कि श्रेया ने खुद साफ किया था कि उनका मतलब गलत तरीके से नहीं था। उन्होंने कहा, श्रेया ने कहा था, जाहिर है, मैं उस तरह से नहीं कह रही हूं। मेरा मतलब वैसा नहीं है। मैं बस यह कह रही हूं कि वह बार-बार ऐसा करते हैं। तो वह इस बारे में बहुत सहज थीं। वहीं, राम कपूर की पत्नी गौतमी कपूर जब शो में आई थीं, तो उन्होंने सभी से राम कपूर के व्यवहार के लिए माफी मांगी थी। उन्होंने कहा, अगर इनसे कोई गलती हो गई हो या इन्होंने आपको असहज किया हो तो मैं इनकी तरफ से माफी मांगती हूं। हालांकि, गौतमी ने बचाव करते हुए यह भी कहा कि उनके पति का स्वभाव ऐसा ही है, वे टेडी बेयर की तरह हैं और उनका इरादा गलत नहीं था।

नसीरुद्दीन शाह बोले- अभी नहीं खत्म हुआ मेरा सफर

दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने स्पष्ट किया है कि उनका अभिनय से संन्यास लेने का फिलहाल उनका कोई इरादा नहीं है। हाल ही में रिलीज हुई इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों से जबरदस्त सराहना मिली है। इसके अलावा वे वेब सीरीज 'मेड इन इंडिया' में जेआरडी टाटा की भूमिका निभाकर भी चर्चा में रहे। करियर के इस दौर में उन्होंने खुलासा किया कि वह लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड स्वीकार करने से क्यों इनकार कर देते हैं। मुंबई में फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' के सिनेमाघरों में 50 दिन पूरे होने के अवसर पर आयोजित सफलता समारोह में मीडिया से बातचीत के दौरान नसीरुद्दीन शाह ने कहा कि हाल के समय में उन्हें कई लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड की पेशकश की गई, लेकिन उन्होंने सभी को विनम्रतापूर्वक अस्वीकार कर दिया। उनका कहना था कि ऐसे सम्मान अक्सर इस संकेत के रूप में देखे जाते हैं कि किसी कलाकार का सक्रिय सफर पूरा हो चुका है, जबकि वह अभी भी अभिनय के क्षेत्र में पूरी ऊर्जा के साथ काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा नहीं लगता कि उनका रचनात्मक सफर समाप्त हुआ है। इसलिए वह ऐसे सम्मान स्वीकार कर घर बैठने के बजाय लगातार नई और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाना पसंद करेंगे। उनके मुताबिक, जब तक काम करने का उत्साह और दर्शकों का प्यार बना हुआ है, तब तक अभिनय जारी रखना ही उनकी प्राथमिकता है।

नसीरुद्दीन शाह ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत सत्तर के दशक में समानांतर सिनेमा से की थी। बाद में उन्होंने 'हम पांच' के जरिए मुख्यधारा की हिंदी फिल्मों में कदम रखा। इसके बाद 'कर्मा', 'जलवा' और 'मालामाल' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय ने उन्हें व्यावसायिक सिनेमा में भी मजबूत पहचान दिलाई। उन्हें फिल्म 'स्पर्श' और 'पार' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार तथा 'इकबाल' के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुका है। इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी 'मैं वापस आऊंगा' भारत विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित एक भावनात्मक कहानी है। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह ने 95 वर्षीय ईशर सिंह ग्रेवाल का किरदार निभाया है, जो पाकिस्तान के सरगोधा जाने की कोशिश के दौरान गंभीर रूप से बीमार पड़ जाता है। इसके बाद परिवार की कई अनकही परतें सामने आती हैं। फिल्म में उनके प्रभावशाली अभिनय को इसकी सबसे बड़ी ताकत माना जा रहा है।

माइग्रेन से जूझ रहे हैं तो न करें ये 5 गलतियां, समस्या हो सकती है गंभीर

माइग्रेन एक ऐसी समस्या है, जिससे कई लोग परेशान रहते हैं। यह सिरदर्द का एक प्रकार है, जिसमें सिर के एक हिस्से में तेज दर्द होता है। माइग्रेन के दौरान उल्टी, चक्कर आना और रोशनी से चिढना जैसी कई अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं। आमतौर पर माइग्रेन में सिर के दाएं या बाएं हिस्से में तेज दर्द होता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जो माइग्रेन के रोगियों को नहीं करनी चाहिए। नींद का ख्याल न रखना माइग्रेन के रोगियों के लिए एक बड़ी गलती हो सकती है। पर्याप्त नींद लेना बहुत जरूरी है क्योंकि इससे आपका शरीर और मन दोनों आराम करते हैं। अगर आप समय पर सोते और जागते हैं तो आपका सिरदर्द कम हो सकता है। इसके अलावा दिन में थोड़ी देर की झपकी भी आपके लिए फायदेमंद हो सकती है। इस तरह आप ताजगी महसूस करेंगे और आपका माइग्रेन भी काबू में रहेगा। माइग्रेन के रोगियों को अपनी खाने-पीने की आदतों पर खास ध्यान देना चाहिए। अगर आप तैलीय, मसालेदार और जंक फूड का सेवन करते रहेंगे तो आपकी समस्या बढ़ सकती है। इसके बजाय हरी सब्जियां, फल और प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें। इससे आपका शरीर स्वस्थ रहेगा और सिरदर्द भी कम होगा। इसके अलावा पानी अधिक पिएं ताकि आपका शरीर तरलता में रहे और विषाक्त पदार्थ बाहर निकलें। शरीर में पानी की कमी भी माइग्रेन का कारण बन सकती है। अगर आप पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पीते तो इससे आपके सिरदर्द की समस्या बढ़ सकती है। रोजाना कम से कम 8-10 गिलास पानी पीना चाहिए ताकि आपका शरीर तरलता में रहे और विषाक्त पदार्थ बाहर निकलें। इसके अलावा नारियल पानी या ताजे फलों का रस भी पी सकते हैं, जो आपके शरीर को पोषण देंगे और सिरदर्द को कम करेंगे। चिंता और तनाव लेना भी माइग्रेन के रोगियों के लिए खतरनाक हो सकता है। अगर आप हमेशा तनाव में रहते हैं तो इसका असर आपके सिरदर्द पर पड़ेगा। तनाव कम करने के लिए योग, ध्यान या गहरी सांस लेने जैसी तकनीकों का अभ्यास करें। इससे आपका मन शांत रहेगा और सिरदर्द भी कम होगा। इसके अलावा सकारात्मक सोच अपनाएं और खुश रहने की कोशिश करें ताकि आपका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर हो सके और आप स्वस्थ रह सकें। अगर आपको बार-बार सिरदर्द होता रहता है तो डॉक्टर की सलाह लेना बहुत जरूरी है। खुद से दवा लेना या घरेलू नुस्खे अपनाना सही नहीं होता। डॉक्टर आपकी समस्या का सही कारण बताएंगे और उचित इलाज देंगे। इसलिए समय-समय पर जांच करवाते रहें और उनकी सलाह मानें। इन गलतियों से बचकर आप अपने माइग्रेन को बेहतर तरीके से संभाल सकते हैं और एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

Decide on raising retirement age of judges by Sept 2: SC to states

New Delhi, Agency: Attempting to bring judicial officers' retirement age on a par with that for HC judges, the Supreme Court on Wednesday asked states to decide by Sept 2 on increasing the superannuation age of trial court judges from 60 to 62 years while brushing aside pleas of financial constraints and the disparity it would create vis-a-vis government employees.

In the early 1990s, the Supreme Court had increased through a judgment the retirement age of judicial officers across India from 58 to 60 years. This time, however, a bench of CJI Surya Kant and Justices Joymalya Bagchi and V Mohana said that instead of a judicial ruling, it would be better if state governments made the decision on their own. The strength of trial court

judges has doubled since 1992, from around 10,000 to over 20,000 at present. The number of HC judges has increased from 568 in 1992 to 1,114 now. A few states have increased the age of retirement for judicial officers from 60 to 61, akin to similar benefits for government employees. Some states argued that increasing the age of superannuation of judicial officers to 62 years would create disparity and cause discontent among government employees, who too would demand identical benefits, entailing a huge financial burden for the government.

But the bench rejected both these objections. It said that when a judicial officer retires, the government pays them a lump-sum amount and pension, which is more than half of their last-drawn salary. On filling the vacancy, the government pays a salary to the new appointee.

BRIFF NEWS

Life's changed in J&K, Ladakh since Article 370, 35(A) repeal: PM Modi

New Delhi, Agency: The lives of the people of Jammu and Kashmir, and Ladakh have witnessed wide-ranging transformation since Articles 370 and 35(A) were repealed, PM Narendra Modi said on the seventh anniversary of the decision, stating that the removal of the erstwhile state's special status marked a decisive new chapter for the region, now divided into two Union territories (UTs). Modi emphasised the special significance of the anniversary as his govt is commemorating the 125th birth anniversary of BJP's ideological inspiration Syama Prasad Mookerjee this year.

Centre deploys national team as Chandipura outbreak probe intensifies

New Delhi, Agency: With 35 laboratory-confirmed Chandipura virus infections and 22 deaths among 184 suspected cases reported in children under 15 across Gujarat this monsoon, and the virus also affecting children from neighbouring Rajasthan, the Centre on Wednesday deployed a National Joint Outbreak Response Team (NJORT) to strengthen outbreak investigations and accelerate scientific efforts to contain the disease.

Chandipura virus, a sandfly-borne virus that primarily affects children, can rapidly progress from fever to acute encephalitis syndrome (AES), a severe

Supreme Court acquits man in jail for 22 years for wrong conviction

New Delhi, Agency: A trial court's failure to evaluate the evidence properly and the Odisha High Court remaining a mute spectator resulted in 22 years being erased from a person's life as he was wrongly convicted and his appeal was not heard by the high court. Finally, the Supreme Court has come to his rescue and acquitted him.

It is a classic case where a poor litigant's fight for justice is frustrated at the altar of the judiciary itself, when the court refused hearing on technical grounds. The poor convict had already spent 12 years in jail when he approached the high court. The high court refused to hear him on the technical ground that there was a delay in filing an appeal, and it prolonged his stay in jail by 10 more years before he was acquitted by the Supreme Court, which had to admit that "access to justice still eludes the marginalised sections of our society and especially those convicted and imprisoned from among them".

Cabinet secretary and home secretary get one-year extensions

New Delhi, Agency: The government on Wednesday gave a one-year extension in service to cabinet secretary TV Somanathan and home secretary Govind Mohan. This is the first such extension for the two key officers at the Centre. Their fixed tenure of two years was coming to an end this month.

In an order, the personnel department said the Appointments Committee of the Cabinet has approved the extension in service of Somanathan as cabinet secretary for one year

beyond Aug 30, 2026. Somanathan, a 1987-batch IAS officer of TN cadre, was appointed to the post in Aug 2024. Mohan's service has been extended beyond August 22, 2026, up to August 22, 2027, as per the order. Mohan, a 1989-batch IAS officer of Sikkim cadre, was appointed home secretary in Aug 2024.

All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Rules have a provision to extend the services of the defence secretary, foreign secretary, home secretary, director of information and broadcasting, secretary of the Research and Analysis Wing, and a few others beyond the retirement age of 60 years.

Lok Sabha approves Bankers' Books Evidence Bill without debate

New Delhi, Agency: The Lok Sabha on Wednesday passed the Bankers' Books Evidence Bill - replacing a British-era law - without discussion amid opposition protests and sloganeering on multiple issues, as members refused to heed the chair's call to debate the legislation.

The government accused the opposition of disrupting proceedings. Parliamentary affairs minister Kiren Rijiju accused Congress, Left parties and SP of being against Lord Ram and demanded they apologise to the nation. Referring to the opposition's skit in Parliament, he said it had "saddened" the government and claimed these parties had opposed Ram temple construction by wearing black bands.

Moved by finance minister Nirmala Sitharaman, the bill seeks to align the law with contemporary digital banking practices by recognising digital and virtual records as admissible evidence in courts. Replacing the Bankers' Books Evidence Act, 1891, it expands the definition of 'bankers' books' to include records maintained in physical, digital, virtual, cloud-based or any other form.

BJD opposes proposed nuclear plant in Odisha, warns of mass agitation

New Delhi, Agency: The Biju Janata Dal (BJD) on Wednesday opposed the proposed setting up of a nuclear power plant in Odisha, alleging that the BJP government was putting public safety at risk to benefit private companies. The party also warned of a statewide agitation if the project moved forward.

The criticism came days after a representative of a private company met Odisha deputy chief minister KV Singh Deo, who also holds the state's energy portfolio. According to the BJD, the company has proposed establishing a 3,000 MW nuclear power plant in Odisha.

Addressing a press conference, BJD senior general secretary

Lekhashree Samantsinghar claimed that a nuclear power plant would pose a serious threat to the health and safety of people living in the state. She accused the BJP's "double-engine government" of ignoring public welfare in favour of corporate interests. "Whenever the subject of nuclear or atomic energy arises, it naturally creates fear in people's minds. In 1945, the nuclear bombings reduced the Japanese cities of Hiroshima and Nagasaki to ruins.

Government hits out at Pakistan's malicious propaganda against India

New Delhi, Agency: India slammed Pakistan for the so-called Youm-e-Istehsal (Day of Exploitation), which it observes on August 5, saying Pakistan's desperate attempts to peddle falsehoods are intended solely to deflect international attention from its own dismal human rights record and its status as the global epicentre of terrorism.

In a statement, ministry of external affairs (MEA) said the constitutional changes made on August 5, 2019, are entirely an internal matter of India and that these decisions had brought unprecedented socio-economic development, good governance, and democratic empowerment to the people of the region.

On August 5, 2019, the government revoked the special status of J&K granted under Article 370 and bifurcated the state into UTs of J&K and Ladakh.

"India categorically rejects the political absurdity and futile attempts by Pakistan to observe the so-called Youm-e-Istehsal to spread malicious propaganda against India. Union Territories of Jammu & Kashmir and Ladakh are, have always been, and shall forever remain an integral and inalienable part of India," said MEA spokesperson Randhir Jaiswal, adding that Pakistan has no locus standi to comment on matters that are strictly internal to India. The international community is currently witnessing the brutal suppression of fundamental rights in Pakistan-occupied Jammu and Kashmir (PoJK), said the official.

"Recent weeks have seen Pakistani security forces resort to lethal violence, targeted killings, and draconian bans to silence peaceful civil rights protests led by the local populace. Such state-sponsored violence against unarmed civilians exposes the profound hypocrisy of the Pakistani establishment," he said.

"Instead of engaging in predictable diplomatic theatre, Pakistan would be well-advised to stop the bloodshed in PoJK, take credible, verifiable, and irreversible action against terror networks operating from its soil, and immediately vacate all Indian territories under its illegal and forcible occupation. The world is not fooled by these orchestrated spectacles," added the official.

25 India-bound ships in Hormuz; government set to evacuate 13 soon

New Delhi, Agency: Around three dozen Indian and other India-bound ships are currently in the West and East of the Strait of Hormuz and Red Sea, with 25 of them in the Hormuz region. Agencies have identified the evacuation of 13 of these vessels, which include eight carrying fertilisers, crucial for ongoing Kharif crops, and three with energy products.

17 India-flagged vessels along with foreign-flagged ships are bound for India, with Indians seafarers among both crews.

Officials said that since the war broke out in West Asia, 67 ships of Indian interest have crossed the conflict-hit sea channel and 4,052 stranded Indian seafarers have returned to India safely. Chairing a review meeting with senior officials, shipping minister Sarbananda Sonowal said, "Indian seafarers are key global workers, and the Modi government stands firmly with them and their families. The safety of our maritime

heroes remains our paramount priority."

He added that maritime regulator DGMA is operating round-the-clock to monitor distress alerts and coordinate rescue efforts. "During the ongoing crisis, 4,052 stranded Indian seafarers have been safely repatriated. A total of 16,448 calls and 40,594 emails have been handled by our emergency response. DGMA is providing repatriation support, medical assistance, counselling and continuous engagement with affected families," Sonowal said, adding financial assistance of Rs10 lakh is being provided to the next of kin of the deceased.

Trai unveils draft service quality norms for network slicing

New Delhi, Agency: Network slicing, which enables telecom service providers to provide different speeds of internet to different categories of consumers, could soon become a reality in India. Following a request from some large operators, the telecom department had asked Trai to examine this, and on Wednesday, the regulator issued a draft quality of service norms that factor in this controversial technology that some fear may affect net neutrality.

The draft amendments to the Standards of Quality of Service of Access (Wireline and Wireless) and Broadband (Wireline and Wireless) Service Regulations, 2024, say: "...service provider must ensure that sufficient capacity is available in the network and shall submit the details, as per the format and manner prescribed by the authority, before launch of such network slicing."

The draft proposes to change the "typical download and upload speed offered to the subscribers" sentence in the existing rule with "technology-wise typical download and upload speed offered to subscribers for each tariff offering."

Air India turbulence lasted 'four to five minutes'; some passengers still in hospital

New Delhi, Agency: Air India's recent severe turbulence incident is now under a "thorough investigation" by the directorate general of civil aviation (DGCA), civil aviation minister Ram Mohan Naidu said on Wednesday.

Naidu said the Air India flight from Phuket to New Delhi experienced severe turbulence for "four to five minutes", leaving several passengers injured and some crew members with spinal and neck injuries.

At least 17 people, including four cabin crew members, were injured after the aircraft suddenly lost around 300 feet in altitude during the midair turbulence.

Addressing the media, Naidu said the aircraft was secured immediately after landing and all crucial evidence has been taken into the regulator's custody. "In terms of why the incident has happened, we have immediately alerted the DGCA to thoroughly investigate the situation. The moment the plane was landed, it was put in a separate hangar.

The data recorder, the voice recorder, everything is in the possession of DGCA. They will thoroughly investigate how and why this incident happened. Only when we have the facts in front of us, we are going to make it public," he said.